हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

पूर्वांचल की विरासत NEWS

हम बनेंगे आपकी आवाज़

वर्ष : 1 अंक : 12 (कुशीनगर से प्रकाशित) कुशीनगर, सोमवार 21 सितम्बर 2026 पृष्ठ : 8 मूल्य: 1.00 रुपया

उच्चतम न्यायालय ने प्रदूषण-मुक्त पर्यावरण को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी है: सूर्यकांत

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शुक्रवार को कहा कि भारत के उच्चतम न्यायालय ने पिछले कई दशकों में प्रदूषण-मुक्त पर्यावरण के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी है और पारिस्थितिकीय स्वास्थ्य को लेकर सावधानी के सिद्धांत, प्रदूषणकर्ता पर भुगतान का दायित्व के सिद्धांत, पूर्ण दायित्व तथा लोक न्यास के सिद्धांत जैसे महत्वपूर्ण सिद्धांत विकसित किए हैं।वह यहां राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) द्वारा आयोजित दो दिन के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। 'पर्यावरण एवं जलवायु की आगे की गति' के विषय के साथ आयोजित इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्य अतिथि थे। सम्मेलन को वन एवं पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन मामलों के मंत्री भूपेंद्र यादव, अटार्नी जनरल आर वेंकटरमणी तथा एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव ने भी संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने एनजीटी ऐप का बटन दबाकर उद्घाटन किया जिसमें उपयोगकर्ता एनजीटी के सभी मामलों की स्थिति और प्रगति आदि की जानकारी अपने मोबाइल पर प्राप्त कर सकते हैं।इस सम्मेलन में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश 17 देशों के न्यायाधीश,

न्यायिक अधिकारी, हरित न्यायाधिकरणों के न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, पर्यावरणविद् और विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं।

आर्थिक विकास और जलवायु कार्रवाई एक साथ आगे बढ़ सकते हैं

उन्होंने वन्यजीवों और पारिस्थितिक तंत्रों के संरक्षण में भारत की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। इनमें चीता पुनर्वास कार्यक्रम, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण के लिए संरक्षण-प्रजनन कार्यक्रम तथा वनों, घास वाले क्षेत्रों और आर्द्रभूमियों के संरक्षण एवं पुनर्स्थापन जैसे प्रयास शामिल हैं। वन एवं पर्यावरण मंत्री ने कहा कि भारत में वन और वृक्ष आवरण 8.27 लाख वर्ग किलोमीटर तक पहुंच गया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन की वन संसाधन रिपोर्ट - ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्सेज असेसमेंट 2025 का उल्लेख करते हुए कहा कि वार्षिक शुद्ध वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपना तीसरा स्थान बनाए रखा है।श्री यादव ने कहा कि अंटालिया (तुर्की) में होने वाले अगले जलवायु सम्मेलन -कॉप31 में भारत जलवायु संरक्षण संवर्धन दायित्व में समता, निर्णयों के क्रियान्वयन और जलवायु परिवर्तन के खतरे का सबसे अधिक सामना कर रहे देशों की जरूरतों पर केंद्रित जलवायु कार्रवाई की वकालत जारी रखेगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि जलवायु के संबंध में भारत के न्यायिक दर्शन ने लोगों के जलवायु से संबंधित अधिकारों को संवैधानिक दृष्टि से और अधिक स्पष्टता प्रदान की है। कानून के तहत न्यायाल ने माना है कि जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव समानता, आजीविका और स्वास्थ्य से संबंधित मौलिक अधिकारों को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने वैश्विक पर्यावरणीय संरक्षण को मजबूत करने के लिए न्यायिक सामूहिक विवेक, वैज्ञानिक ज्ञान और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मामलों के मंत्री भूपेंद्र यादव ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जलवायु संबंधी भारत की प्रतिबद्धताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने एक सतत, सुदृढ़ और न्यायपूर्ण भविष्य के लिए सामूहिक कार्रवाई के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्ष में खनिज ईंधन से इतर स्रोतों से बिजली उत्पादन की स्थापित विद्युत क्षमता 54.18 प्रतिशत तक पहुंच गयी जो 2030 तक के लिए निर्धारित 50 प्रतिशत के लक्ष्य से अधिक है।श्री यादव ने कहा कि भारत नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता के मामले में विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा विकास बाजार है।

भारत के मुकाबले विकसित देशों का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन छह गुना अधिक: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि कार्बन उत्सर्जन के लिए अक्सर विकासशील देशों को अनुचित तरीके से जिम्मेदार ठहराया जाता है जबकि सच्चाई यह है कि विकसित देशों का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन भारत की तुलना में छह गुना अधिक है। प्रधानमंत्री ने यहां पर्यावरण और जलवायु पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि जब भी वह परमाणु ऊर्जा उत्पादन से जुड़े कार्य को आगे बढ़ाएंगे तो हमेशा पर्यावरण की बात करने वाले लोग इसे रोकने के लिए अदालत पहुंच जाएंगे। इस सम्मेलन में पर्यावरण विशेषज्ञ, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, विधि विशेषज्ञ और सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। मोदी ने

दो दिवसीय सम्मेलन में कहा, हम सभी जानते हैं कि कार्बन उत्सर्जन की जिम्मेदारी अक्सर गलत तरीके से विकासशील देशों पर डाल दी जाती है जबकि ऐतिहासिक सच्चाई यह है कि भारत का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन आज भी वैश्विक औसत के आधे से भी कम है। मोदी ने कहा कि विकसित देशों का प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन भारत की तुलना में छह गुना अधिक है और भारत इस तथ्य को वैश्विक मंचों पर मजबूती से रखता है। उन्होंने कहा, और मैं हर भारतीय से कहूंगा कि आप भी इस बात को मजबूती से कहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत बाकी दुनिया के साथ मिलकर काम कर रहा है और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है।

विकसित भारत की यात्रा के केंद्र में है देश की युवा शक्ति: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 20वें रोजगार मेले में विभिन्न सरकारी संगठनों में नवनियुक्त कर्मचारियों को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किये और कहा कि देश की युवा शक्ति विकसित भारत की यात्रा के केन्द्र में है।श्री मोदी ने युवा कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह रोजगार मेला युवाओं के लिए नये अवसर पैदा करने की सरकार प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि युवाओं की प्रतिभा और कौशल ने दुनिया का विश्वास हासिल किया है और विश्व को देश की ऊर्जावान युवा शक्ति से बड़ी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते युवाओं के लिए अवसरों के नये रास्ते खोल रहे हैं, समझौते हमारे उद्यमियों के लिए नयी साझेदारियों और बाजारों का रास्ता बनाते हैं, साथ ही हमारे युवाओं के लिए करियर की नयी संभावनाएं भी पैदा करते हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अभी दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप तंत्र है। इसके अलावा, भारत की स्टार्टअप कहानी अब केवल बड़े महानगरों तक सीमित नहीं है।

एक महीने में एक लाख नौकरियाँ मिलेंगी : योगी

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरियों के मुद्दे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पिछली सरकारों पर तीखा हमला बोला। नियुक्ति-पत्र वितरण कार्यक्रम में उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार अब तक करीब साढ़े नौ लाख युवाओं कोको पारदर्शी तरीके से विभिन्न विभागों में नियुक्ति-पत्र दे चुकी है और अगले छह महीनों में एक लाख से कम नहीं, बल्कि उससे अधिक युवाओं को नौकरी देने जा रही है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग उनकी सरकार की भर्ती प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें अब नियुक्तियों की संख्या गिनते जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये साढ़े 9 लाख नियुक्ति पत्र जो हमने पारदर्शी तरीके से विभिन्न विभागों में दिए हैं, उसके परिणाम हमारे सामने हैं। उन्होंने कहा कि जब भर्ती बोर्ड और आयोग शासन की राजनीति का शिकार नहीं होते और परीक्षाएं पारदर्शी तथा शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न होती हैं तो उसके परिणाम इसी तरह सामने आते हैं। योगी ने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में हर दूसरे दिन दंगे होते थे और महीनों तक कर्फ्यू लगता था। उनके मुताबिक, उस दौर में भर्ती बोर्डों

और आयोगों में भाई-भतीजों को बैठाकर पूरी भर्ती प्रक्रिया को बदनाम कर दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय एक भी भर्ती ईमानदारी से नहीं होती थी और इससे युवा पलायन के लिए मजबूर होता था। उन्होंने कहा, युवा पलायन करता था, उसके सामने एक तरफकुआं था, दूसरी तरफ खाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के नाम पर किसी व्यक्ति को स्थान नहीं मिलता था और उस समय युवाओं के सामने पहचान का संकट पैदा हो गया था। उनके अनुसार, प्रदेश बीमार नहीं था, बल्कि तत्कालीन सरकारों की मानसिकता बीमार थी और कार्यप्रणाली भ्रष्ट थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक साढ़े नौ लाख युवाओं को नियुक्ति-पत्र दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा, 2017 के पहले जिन्होंने इस नियुक्ति-पत्र वितरण के लिए गदर मचाई थी, उनसे कहना चाहूंगा- नोट कर लें, अगले छह महीने के अंदर एक लाख युवाओं को हम नियुक्ति-पत्र देने जा रहे हैं। उन्होंने इसे और स्पष्ट करते हुए कहा, एक लाख से कम नहीं, उससे ज्यादा ही नौजवानों को अगले छह महीनों में नौकरी देने जा रहे हैं। यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब प्रदेश सरकार ने छह महीने में एक लाख सरकारी नियुक्तियां देने का अभियान शुरू करने की बात कही है। योगी ने पिछली सरकार के दौरान उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए।

पंजाब को नशामुक्त करने के लिए भाजपा सहित पूरा देश एक साथ खड़ा: रेखा गुप्ता

एजेंसी

अम्बाला। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पंजाब को नशा मुक्त करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के साथ-साथ हर प्रांत उनके साथ खड़ा है। निश्चित रूप से पंजाब से नशा खत्म होने से अन्य राज्यों को भी इसका लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को पूर्व मंत्री असीम गोयल के निवास स्थान पर पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। इससे पहले उनका यहां पहुंचने पर पूर्व मंत्री असीम गोयल, उनकी धर्मपत्नी नीलू गोयल, बेटी अंशिका गोयल, हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग की अध्यक्ष बंतो कटारिया व भाजपा जिला अध्यक्ष मनदीप राणा ने पुष्प गुच्छ देकर उनका अभिनंदन

किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पंजाब राज्य से दिल्ली जाते हुए अम्बाला शहर में पूर्व मंत्री असीम गोयल के निवास स्थान पर पहुंची थी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आज यहां पर भाजपा कार्यकर्ताओं, जन प्रतिनिधि तथा भाई असीम गोयल से मिलकर खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि उनका जन्म हरियाणा में हुआ है और हरियाणा आने पर उन्हें काफी खुशी होती है। उन्होंने कहा कि बीते कल भारतीय जनता पार्टी द्वारा पंजाब में नशा मुक्त यात्रा का शुभारंभ किया गया है।

दूसरे चरण के तहत आज वह पंजाब गई थी। उन्हें लगता है कि पूरा देश यह चाहता है कि पंजाब को नशा मुक्त किया जाए। उसमें हर प्रांत व देश की जनता उनके साथ है, भारतीय जनता पार्टी उनके साथ खड़ी है। हम मिलकर कार्य करेंगे ताकि आने वाला समय पंजाब सुख समृद्धि से भरा हो और वहां के लोग नशे की गिरफ्त से दूर हों।

गुरुग्राम के मॉल में 18 स्पा सेंटरों पर एक साथ छापे

आठ में मिली संदिग्ध गतिविधियांय 30 महिलाएं और 20 पुरुष मिले

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम के सेक्टर-90 स्थित सैफायर 90 मॉल में चल रहे स्पा सेंटरों पर पुलिस और हरियाणा राज्य महिला आयोग ने बड़ी कार्रवाई की है। करीब छह घंटे तक चली संयुक्त छापेमारी में 18 स्पा सेंटरों की जांच की गई, जिनमें से आठ में संदिग्ध अवैध गतिविधियों के प्रथम दृष्टया साक्ष्य मिलने का दावा पुलिस ने किया है। छापे के दौरान करीब 30 महिलाएं और 20 पुरुष भी मौके पर मिले। हरियाणा पुलिस के प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि संदिग्ध अवैध गतिविधियों का स्वत: संज्ञान लेते हुए गुरुग्राम पुलिस और हरियाणा राज्य महिला आयोग ने यह अभियान

चलाया। कार्रवाई रात करीब 10 बजे शुरू हुई और तड़के 3 बजे तक जारी रही। इस बड़े अभियान में करीब 100 पुलिसकर्मी शामिल थे। इनमें लगभग 20 इंस्पेक्टर और सब-इंस्पेक्टर थे। हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ऊषा प्रियदर्शिनी, आयोग की टीम और ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी कार्रवाई के दौरान मौजूद रहे।

छात्रावास की छत से गिरकर एनआईएसईआर छात्र की मौत

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर स्थित राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईएसईआर) के एमएससी तृतीय वर्ष के एक छात्र की कथित रूप से छात्रावास की छत से गिरने के बाद मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृत छात्र डीएसवी विनय महाराष्ट्र के नागपुर के रहने वाले थे और वह एकीकृत गणित में एमएससी के तृतीय वर्ष के छात्र थे। पुलिस के अनुसार, विनय शुक्रवार शाम परिसर में स्थित एक छात्रावास की तीसरी मंजिल से गिर गए। सुरक्षा गार्ड उन्हें तत्काल परिसर के स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां से उन्हें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)-भुवनेश्वर स्थानांतरित किया गया। पुलिस ने बताया कि अस्पताल लाए जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जटनी के थाना प्रभारी निरीक्षक स्टालिन बिस्वाल ने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि छात्र ने आत्महत्या की है।

यूपी में नौकरी, निवेश और रोजगार केवल विज्ञापनों में दिख रहा: अखिलेश

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को भाजपा सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने रोजगार और निवेश के सरकारी दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में युवाओं के सामने रोजगार का संकट बना हुआ है। अखिलेश इससे पहले भी बेरोजगारी और सरकारी भर्तियों को लेकर सरकार पर सवाल उठाते रहे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि अखबारों में लगातार निवेश और रोजगार से जुड़े बड़े-बड़े विज्ञापन प्रकाशित किए जा रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर विज्ञापनों में बताई गई नौकरियों के आंकड़े वास्तव में जमीन पर मौजूद होते तो प्रदेश में कोई बेरोजगार नहीं होता। उन्होंने सरकार के निवेश संबंधी दावों

पर भी सवाल उठाया और कहा कि उद्योग और निवेश की वास्तविक तस्वीर जनता के सामने स्पष्ट होनी चाहिए। अखिलेश ने आलू से जुड़े सरकारी प्रचार का जिक्र करते हुए किसानों की आय और खरीद व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सरकार आलोचना करने वालों पर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से तैयार वीडियो देखने वालों पर भी कार्रवाई हो सकती है।

महिलाओं को सुरक्षा देने में सरकार पूरी तरह विफल: प्रियंका गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने दिल्ली में 17 वर्षीय लड़की के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म और उसकी हत्या की घटना को लेकर शनिवार को सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि महिलाओं को सुरक्षा, स्वतंत्रता और समानता का अधिकार देने में और यह सरकार पूरी तरह विफल है। दिल्ली के स्वरूप नगर इलाके में 13 सितंबर को 17 वर्षीय लड़की के साथ तीन

नाबालिगों सहित चार लोगों ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया और इसके बाद चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी तथा उसके शव को खेत में फेंक दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में तीन किशोरों सहित चार आरोपियों को पकड़ा गया है। प्रियंका गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली में 17 साल की लड़की के साथ क्रूरता की सारी हदें पार कर दी गईं और उसके बाद उसे बर्बरता से मार डाला गया।

बिपक्ष आरोप

31 सीटों के नतीजों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची

यहां जीत का अंतर SIR में कटे वोटों से कम: ममता

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच विवाद के कारण पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर निर्वाचन आयोग द्वारा लगाई गई रोक के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न आवंटित किए। इससे एक दिन पहले आयोग ने

अंतरिम आदेश जारी कर विवाद का

ठोस समाधान होने तक दोनों गुटों को

भाजपा ने 128 सीटें 30 हजार से कम मार्जिन पर जीतीं

बंगाल में 30 हजार से कम मार्जिन पर जीत वाली 176 सीटों में भाजपा की 128 सीटें हैं। वहीं, 30 हजार से ज्यादा मार्जिन पर जीत वाली 117 सीटों में भाजपा की 79 सीटें हैं। तृणमूल की 44 सीटों पर जीत का मार्जिन 30 हजार से कम और 36 सीटों पर 30 हजार से अधिक रहा है। 2021 में भाजपा की 77 में से 72 सीटों पर जीत का मार्जिन 30 हजार से कम था। प्रतिशत में देखें तो भाजपा ने इस बार 62% सीटें 30 हजार से कम ?मार्जिन पर जीतीं, जबकि 2021 में ऐसी 93.5% थीं।

श्ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेसश् नाम और उसके आरक्षित चुनाव चिह्न जोड़ा फूल एवं घास का इस्तेमाल करने से रोक दिया था। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार रात जारी अपने अंतरिम आदेश में बनर्जी और अरूप रॉय के नेतृत्व वाले दोनों गुटों के नेताओं की दलीलें सुनने के बाद कहा था कि इस मामले में चुनाव चिह्न (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश, 1968 के प्रावधानों के तहत आयोग द्वारा ठोस निर्णय लिए जाने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी याचिका में बनर्जी ने निर्वाचन आयोग और पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋाब्रत बनर्जी को प्रतिवादी बनाया है।

स्वास्थ्य केंद्र में डीएम ने परखी व्यवस्थाएं, अनुपस्थित फार्मासिस्ट पर कार्रवाई के निर्देश

संवाददाता

फर्रुखाबाद । अमृतपुर तहसील में आयोजित तहसील समाधान दिवस के बाद जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आनंद उपाध्याय ने क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने कर्मचारियों की उपस्थिति, ओपीडी, दवाओं की उपलब्धता, जांच सुविधाओं, प्रसव सेवाओं और मरीजों को मिल रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली ।पीएचसी अमृतपुर के निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. गौरव वर्मा मौजूद मिले। अधिकारियों को बताया गया कि केंद्र पर प्रतिदिन औसतन 200 से अधिक मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। निरीक्षण के समय तक 130 से अधिक मरीजों को देखा जा चुका था। मरीजों की संख्या को देखते हुए डीएम ने ओपीडी व्यवस्था प्रभावी बनाए रखने तथा मरीजों को समय से चिकित्सकीय परामर्श, जांच और उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ।प्रसव सेवाओं की समीक्षा में बताया गया कि एक एएनएम के मातृत्व अवकाश पर जाने और दूसरी एएनएम के पदोन्नति के बाद छह माह के प्रशिक्षण पर होने के कारण पिछले दो दिनों से प्रसव सेवाएं प्रभावित हुई हैं। इस पर डीएम के निर्देश पर सीएमओ डॉ. आनंद उपाध्याय ने पीएचसी अमृतपुर में एक स्टाफ नर्स की नियुक्ति के आदेश दिए, जिससे प्रसव सेवाएं दोबारा सुचारु हो सकें ।डीएम और सीएमओ ने स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद मरीजों से बातचीत कर उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने कर्मचारियों से क्षेत्र में सामने आ रही बीमारियों के बारे में भी जानकारी ली और किसी भी असामान्य स्थिति की तत्काल सूचना देने के निर्देश दिए ।निरीक्षण के दौरान फार्मासिस्ट अनुपस्थित मिला, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों की उपस्थिति पर विशेष निगरानी रखने तथा सभी स्वास्थ्यकर्मियों को अपने दायित्वों का समय से निर्वहन सुनिश्चित कराने को कहा ।सीएचसी अमृतपुर में उपलब्ध सीबीसी सहित अन्य जांच मशीनों को सुचारु रूप से संचालित रखने के निर्देश दिए गए। डीएम ने कहा कि तकनीकी समस्या आने पर तत्काल उसका समाधान कराया जाए, ताकि मरीजों को आवश्यक जांच के लिए परेशानी न उठानी पड़े। इसके बाद डीएम ने पीएचसी पिथनापुर का भी निरीक्षण किया।

ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष बने प्रदीप कुमार शुक्ला

संवाददाता

कानपुर देहात । दिन शनिवार को अकबरपुर स्थित एक होटल में ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन जनपद शाखा की कार्यकारिणी का निर्वाचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम संरक्षक एवं एडीओ-आरडी विमल कुमार सचान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। निर्वाचन अधिकारी के रूप में एसोसिएशन के प्रांतीय कोषाध्यक्ष शशिदेव सिंह एवं प्रांतीय संगठन मंत्री शिवदत्त तिवारी ने निर्वाचन प्रक्रिया को संपन्न कराया। जिला अध्यक्ष पद को लेकर हुए चुनाव में विकासखंडों के कुल 30 निर्वाचित पदाधिकारियों में से 29 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान में प्रदीप कुमार शुक्ला को 25 मत प्राप्त हुए, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी अमित कुमार पांडेय को चार मत मिले। इस प्रकार प्रदीप कुमार शुक्ला को जिला अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। इसके अतिरिक्त जिला मंत्री पद पर अंकित सचान, प्रांतीय प्रतिनिधि अनुराग त्रिवेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ऊदन सिंह, संगठन मंत्री शिव बहादुर सिंह, कोषाध्यक्ष जिज्ञासु मिश्रा तथा संयुक्त मंत्री दीपिका यादव को सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। गठित कार्यकारिणी में महिला पद पर स्नेहा राजपूत, सह संगठन मंत्री के पद पर दीपक यादव एवं कृष्ण मोहन यादव, उपाध्यक्ष पद पर ब्रह्मराज, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर मगन सिंह एवं रोहित गौतम, ऑडिटर के पद पर सुधीर कटियार, सह ऑडिटर जगदीप श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी चंद्रजीत पटेल तथा सोशल मीडिया प्रभारी के पद पर रिंकल सिंह एवं सरफराज हुसैन को शामिल किया गया ।कार्यकारिणी गठन के उपरांत जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार तिवारी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं दायित्व की शपथ दिलाई। इस दौरान राम जी तिवारी एवं सनी कटियार ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए माला पहनाकर स्वागत किया।

संक्षिप्त समाचार

बबेरू तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

बांदा। बबेरू तहसील में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चला। इसकी अध्यक्षता बांदा के मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पांडेय और बबेरू के उप जिलाधिकारी अवनीश कुमार ने की। इसमें तहसील क्षेत्र के अलग-अलग गांवों से आए लोगों की समस्याएं सुनी गईं। समाधान दिवस में कुल 61 शिकायतें मिलीं। इनमें से 9 शिकायतों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। बाकी शिकायतों को संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को सौंपकर जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने भी अपनी लंबित मांगों को लेकर अधिकारियों को ज्ञापन दिया। वहीं, क्षेत्रीय समाजसेवी पीसी पटेल ने तहसील परिसर में क्षेत्र की कई समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने अधिकारियों को एक ज्ञापन भी सौंपा। पीसी पटेल ने गौशालाओं में बेसहारा पशुओं की खराब हालत सुधारने, गांवों में खोदी गई सड़कों की मरम्मत कराने, बिना बताए बिजली कटौती बंद कराने और टूटे बिजली के खंभों को ठीक कराने जैसी मांगें उठाईं। समाधान दिवस में तहसीलदार, पुलिस क्षेत्राधिकारी कृष्णकांत त्रिपाठी, खंड विकास अधिकारी अभिषेक चौधरी, नायब तहसीलदार राहुल गौरव समेत कई विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

संदिग्ध परिस्थितियों में मजदूर की मौत

बांदा। जिले में मजदूरी कर घर लौटे व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिवार के लोगों ने आशंका जताई है कि उन्होंने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया था। मृतक की पहचान भवानी (55) पुत्र दर्शन के तौर पर हुई है। भवानी के बेटे अर्जुन ने बताया कि पिता शाम करीब 7.30 बजे मजदूरी कर घर लौटे थे। बताया गया कि उन्होंने शराब पी रखी थी और खाना नहीं खाया था। इसके बाद वह पास के दूसरे घर में लेटने चले गए। वहां उन्होंने कुछ खाया भी था, जिसके कुछ देर बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी। भवानी के बगल में उनके छोटे भाई जगदीश का घर है। जगदीश की पत्नी ने भवानी की हालत देखी तो तुरंत परिवार के लोगों को जानकारी दी। परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। परिवार को आशंका है कि भवानी ने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया था। हालांकि, इसकी असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफहो पाएगी। भवानी मजदूरी कर परिवार का गुजारा करते थे। उनके दो बेटे और तीन बेटियां हैं। इनमें से दो बेटियों की शादी हो चुकी है। घटना के समय उनकी पत्नी मुन्ना घर पर नहीं थीं। वह अपनी बेटी की दवा कराने बांदा गई हुई थीं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बड़े बूढ़े हनुमान जी का वार्षिक उत्सव आज से, बुड्ढवा मंगल पर होगा समापन

फर्रुखाबाद। मोहल्ला अढ़तियान स्थित मेला श्री बड़े बूढ़े हनुमान जी महाराज मंदिर में वार्षिक उत्सव एवं बुड्ढवा मंगल का पांच दिवसीय कार्यक्रम शुक्रवार 18 सितंबर से प्रारंभ हो रहा है। यह उत्सव मंगलवार 22 सितंबर तक चलेगा ।मंदिर के महंत पं. दीपक औदिच्य ने बताया कि सभी भक्तजनों के सहयोग से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा ।कार्यक्रम विवरण इस प्रकार है 18 सितंबर शुक्रवार को श्री रामचरित मानस पाठ प्रारम्भ होगा, 19 सितंबर शनिवार को श्री राम राज्याभिषेक (राजगद्दी), 20 सितंबर रविवार को हवन एवं विशाल भण्डारा, 21 सितंबर सोमवार को सुन्दरकाण्ड पाठ और 22 सितंबर मंगलवार को बुड्ढवा मंगल का मुख्य आयोजन होगा।

अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह द्वारा पुलिस कार्यालय अवस्थित प्रधान लिपिक शाखा का किया गया अर्द्धवार्षिक निरीक्षण

सम्बन्धित को दिये गये आवश्यक दिशा-निर्देश

संवाददाता

महोबा। आज अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह द्वारा पुलिस कार्यालय अवस्थित प्रधान लिपिक शाखा का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रधान लिपिक शाखा में प्रचलित समस्त पत्रावलियों, अभिलेखों एवं पंजिकाओं का गहनता से अवलोकन किया गया तथा लंबित प्रपत्रों/अहकमातों की स्थिति की समीक्षा की गयी। लंबित प्रकरणों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

निरीक्षण के क्रम में चरित्र पंजिकाओं में अंकित दण्ड, पदोन्नति, रिवार्ड आदि प्रविष्टियों का अवलोकन करते हुए समस्त अभिलेखों को नियमानुसार अद्यावधिक रखने के निर्देश दिये गये। साथ ही कार्यालय में रखे जाने वाले अभिलेखों एवं पत्रावलियों के उचित रख-रखाव , व्यवस्थित रख-रखाव, साफ-सफाई तथा अभिलेखों के सुरक्षित संरक्षण पर विशेष ध्यान देने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया । अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा शाखा में प्राप्त होने वाले पत्रों एवं प्रपत्रों के समयबद्ध निस्तारण, अभिलेखों के नियमित अद्यावधिकरण तथा कार्यालयीन कार्यों में नियमानुसार प्रक्रिया का अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। साथ ही शाखा में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारियों को अपने-अपने दायित्वों का समयबद्ध एवं पूर्ण निष्ठा के साथ निर्वहन करने हेतु निर्देशित किया गया ।

मंदिरों में धूमधाम से मनाया गया श्री राधा रानी का प्राकट्य उत्सव

संवाददाता

फर्रुखाबाद । श्री राधा रानी के प्राकट्य उत्सव पर शहर के विभिन्न मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, पंचामृत अभिषेक, भजन-कीर्तन, महाआरती और प्रसाद वितरण हुआ। श्रद्धालुओं ने राधा रानी के जयकारे लगाए और सुख-समृद्धि की कामना की ।प्राचीन श्री पाण्डेश्वर नाथ मंदिर में आयोजित श्री गणेश पंडाल में मुख्य यजमान रानू शुक्ला ने सपत्नीक विद्वान पंडितों की मौजूदगी में श्री राधा रानी का प्राकट्य उत्सव मनाया। पं. राजेंद्र नाथ मिश्र, प्रमोद मिश्रा, ओंकार नाथ मिश्र और पं. शिव नारायण ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत से अभिषेक कराया। इसके बाद भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण हुआ। कार्यक्रम में मनीष मिश्रा, अनिल त्रिपाठी, गणेश मिश्रा, मयंक गुप्ता, विजय शर्मा, दीपू गुप्ता, दिव्यांशु अग्निहोत्री, शिवम रस्तोगी और श्याम मिश्रा मौजूद रहे।श्री राधा गोपीनाथ मंदिर, खतराना में पं. प्रशांत मिश्रा के सानिध्य में राज नारायण खेमका परिवार की ओर से विधिवत मंत्रोच्चार के साथ महाभिषेक कराया गया। इसके बाद आरती और प्रसाद वितरण हुआ ।ठाकुर द्वारा श्री राधा गोपाल मंदिर, घुमना बाजार में पंचामृत से श्री राधा रानी का अभिषेक किया गया। दिनेश गुप्ता, अखिल गुप्ता, अशोक गुप्ता, शंकर लाल, श्याम सुंदर, शशिकांत गुप्ता और प्रदीप गुप्ता की मौजूदगी में महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ उत्सव मनाया गया ।ठाकुर द्वारा मदन गोपाल मंदिर, लोहाई रोड में भी श्री राधा रानी का जन्मोत्सव श्रद्धा के साथ मनाया गया। हवन-यज्ञ और पंचामृत अभिषेक के बाद भजन-कीर्तन हुआ। नैनसी, सुषमा और उमा ने बधाई गीत प्रस्तुत किए ।श्री राधा कृष्ण मंदिर, लोहाई रोड में मंगला दर्शन, अभिषेक और भव्य-दिव्य श्रृंगार किया गया। भजन-कीर्तन के बाद पं. कृष्ण मुरारी गौतम, मदन मोहन, हरिओम, पंकज, निमेष, आयुष और शशांक ने महाआरती की। श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया ।वहीं महाकाल मंदिर में सुश्री अर्चना के निर्देशन में श्री राधा प्राकट्य उत्सव मनाया गया। भजन मंडली ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए। विशेष पूजा-अभिषेक, आरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

गर्भवती के पेट में लात मारने से गर्भस्थ शिशु की मौत, साढ़े तीन माह बाद मुकदमा

संवाददाता

भरुआ सुमेरपुर। पड़ोसी के बच्चों को डांटने से नाराज दो लोगों ने गर्भवती महिला के साथ मारपीट कर उसके पेट में लात मार दी। घटना के बाद इलाज के दौरान गर्भस्थ शिशु की मौत हो गई। मामले में साढ़े तीन माह बाद न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की है। पत्योरा निवासी नफीसा खातून ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 31 मई की शाम करीब सात बजे पड़ोसी रमजान के बच्चे उसकी छत पर आकर उछल-कूद करते हुए शोर मचा रहे थे। उसने बच्चों को डांटकर वहां से भगा दिया। इससे नाराज होकर रमजान अपने साथी अब्दुल के साथ उसके दरवाजे पर पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर दोनों ने उसके साथ मारपीट की और जमीन पर गिराकर पेट में लात मार दी। नफीसा के मुताबिक घटना के बाद उसकी हालत बिगड़ गई और इलाज के लिए कानपुर ले जाया गया, जहां दो जून को गर्भ में पल रहे बच्चे की मौत हो गई। आरोप है कि बचाने पहुंचे उसके जेठ बकरीद और ससुर समी अहमद के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। न्यायालय के आदेश पर करीब साढ़े तीन माह बाद थाना सुमेरपुर पुलिस ने रमजान और अब्दुल के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष पवन पटेल ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम ने मानसिक रूप से अस्वस्थ गुमशुदा को सकुशल बरामद कर परिजनों को किया सुपुर्द

संवाददाता

महोबा। पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह के निर्देशन में जनपद में गुमशुदा व्यक्तियों की सकुशल बरामदगी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह एवं क्षेत्राधिकारी नगर रविकान्त गोंड के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर महोबा बीरेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशन में थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा गुमशुदा युवक को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। दिनांक 16.09.2026 को वादी संतोष कुमार राजपूत पुत्र कामता प्रसाद निवासी पलका थाना कोतवाली नगर महोबा द्वारा अपने चचेरे भाई पुष्पेन्द्र राजपूत पुत्र कालका राजपूत उम्र करीब 30 वर्ष निवासी पलका थाना कोतवाली नगर महोबा के दिनांक 13.09.2026 को समय करीब 10:00 बजे कहीं गुम हो जाने के सम्बन्ध में थाना कोतवाली नगर पर लिखित तहरीर दी गयी थी,जिसके आधार पर गुमशुदगी संख्या 53/2026 पंजीकृत की गयी थी। गुमशुदा पुष्पेन्द्र राजपूत की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा गुमशुदा युवक की सकुशल बरामदगी हेतु निरन्तर प्रयास किये जा रहे थे। इसी क्रम में आज उपनिरीक्षक विनोद कुमार सिंह द्वारा हमराह पुलिस बल के साथ सूपा मंडी के पास कुलपहाड़ रोड महोबा से गुमशुदा पुष्पेन्द्र राजपूत को सकुशल बरामद कर लिया गया।

बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबरों एवं बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति किया गया जागरूक

संवाददाता

हमीरपुर। जिलाधिकारी हमीरपुर अभिषेक गोयल के निर्देशन में जिला प्रोबेशन विभाग द्वारा बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सिसोलर एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय सिसोलर, मौदहा में हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन एवं बाल संरक्षण इकाई द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को 1098 एवं 181 हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया गया कि आवश्यकता पड़ने पर इन हेल्पलाइन सेवाओं के माध्यम से सहायता प्राप्त की जा सकती है। साथ ही बाल विवाह के दुष्परिणामों, बालिकाओं की शिक्षा के महत्व तथा उनके अधिकारों के संबंध में जागरूक किया गया। बालिकाओं को बताया गया कि शिक्षा केवल उनके व्यक्तिगत विकास का माध्यम ही नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता तथा परिवार, समाज एवं देश के समग्र विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला है। बाल विवाह से होने वाले सामाजिक, शैक्षिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों के प्रति भी छात्राओं को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के दौरान राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सिसोलर में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना हेतु 24 पात्र छात्राओं तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में 06 पात्र छात्राओं, कुल 30 छात्राओं को चिन्हित किया गया। पात्र बालिकाओं को शासन की योजना का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी दी गई।

इसके अतिरिक्त थाना सिसोलर की महिला हेल्प डेस्क से संपर्क करने वाली महिलाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने के संबंध में महिला कांस्टेबल अनुष्का दुबे से चर्चा की गई, ताकि जरूरतमंद महिलाओं को उपलब्ध रोजगारपरक अवसरों एवं योजनाओं से जोड़ा जा सके। कार्यक्रम का आयोजन दीप्ति अग्निहोत्री एवं शशि तिवारी द्वारा किया गया। इस दौरान बालिकाओं एवं महिलाओं को शासन द्वारा संचालित महिला एवं बाल संरक्षण से संबंधित सेवाओं तथा योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।।

तहसील दिवस में बारिश से गिरे कई मकानों की शिकायतें

बांदा। जिले के पैलानी में शनिवार को तहसील दिवस का आयोजन किया गया। इसमें एसडीएम भूपेंद्र सिंह, तहसीलदार महेंद्र गुप्ता, विकासखंड अधिकारी जसपुरा रमेश कुमार, एडियो पंचायत, पैलानी थाना अध्यक्ष राममोहन राय, जसपुरा थाना अध्यक्ष ऋषि कुमार और रामपुर कानूनगो अखिलेश कुमार समेत बिजली विभाग के सभी कर्मचारी मौजूद रहे। तहसील दिवस में क्षेत्र के लोगों ने अपनी समस्याएं बताईं। इनमें सबसे ज्यादा शिकायतें भारी बारिश के कारण गिरे मकानों को लेकर थीं। लोगों ने एसडीएम भूपेंद्र सिंह से तुरंत जांच कराकर मुआवजा दिलाने की मांग की। एसडीएम भूपेंद्र सिंह ने फरियादियों को जल्द से जल्द जांच कराकर उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने तुरंत कानूनगो को निर्देश दिए कि मौके पर जाकर मकानों का आकलन करें और मुआवजा दिलाने का काम करें।

अनियंत्रित रफ्तार और लापरवाही- हर दिन छिन रहे अनमोल जीवन

ब्रजेश मिश्रा

किसी देश की प्रगति उसकी सड़कों से दिखाई देती है, लेकिन उसकी संवेदनशीलता इस बात से तय होती है कि उन सड़कों पर लोग कितने सुरक्षित हैं। चौड़ी सड़कें, तेज वाहन और बेहतर संपर्क तभी विकास का संकेत हैं, जब यात्रा के बाद व्यक्ति सकुशल अपने घर लौट सके। सड़क दुर्घटनाएं अब ऐसी घटनाएं नहीं रहीं जिन्हें महज दुर्भाग्य कहकर टाल दिया जाए। इनके पीछे तेज रफ्तार, गलत दिशा में वाहन चलाना, नशे में ड्राइविंग, मोबाइल का इस्तेमाल, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनदेखी जैसे मानवीय कारण हैं। दूसरी ओर खराब सड़क, अपर्याप्त प्रकाश, अवैध कट, अतिक्रमण और कमजोर यातायात प्रबंधन भी जोखिम बढ़ाते हैं। इसलिए दुर्घटना को केवल चालक की गलती मान लेना समस्या की आधी तस्वीर देखना है।

सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि हम दुर्घटना के बाद क्यों जागते हैं?

जिस स्थान पर बार-बार हादसे होते हैं, वहां केवल पुलिस की तैनाती या चेतावनी बोर्ड लगा देना स्थायी समाधान नहीं है। ऐसे स्थानों का तकनीकी अध्ययन होना चाहिए—सड़क की डिजाइन, गति सीमा, दृश्यता, मोड़, संकेतक, पैदल आवागमन और यातायात प्रवाह की समीक्षा के साथ। जहां संरचनात्मक कमी है, वहां उसका सुधार प्राथमिकता बने। सड़क सुरक्षा में रोकथाम को प्रतिक्रिया से ऊपर रखना होगा। तेज रफ्तार की संस्कृति भी चिंता का विषय है। कुछ मिनट बचाने की मानसिकता सड़क पर दूसरों की जिंदगी को जोखिम में डाल देती है। वाहन चलाना व्यक्तिगत अधिकार जरूर है, लेकिन सार्वजनिक सड़क पर वह अधिकार दूसरों की सुरक्षा की सीमा से बंधा है। इसी तरह नशे में वाहन चलाना निजी चुनाव नहीं, सार्वजनिक जोखिम है। लेकिन अनुशासन की अपेक्षा केवल नागरिकों से नहीं की जा सकती। प्रशासन की जवाबदेही भी उतनी ही स्पष्ट होनी चाहिए। यदि किसी सड़क पर लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं तो यह जानना जरूरी है कि वहां पहले से कौन-से सुरक्षा उपाय मौजूद थे और उनकी प्रभावशीलता की समीक्षा कब हुई। सड़क निर्माण की गुणवत्ता से लेकर यातायात नियंत्रण तक, हर स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। यहां पत्रकारिता की भूमिका भी महत्त्वपूर्ण है। दुर्घटना की खबर देना आवश्यक है, लेकिन उससे आगे जाकर यह पूछना अधिक जरूरी है कि हादसा हुआ क्यों और उसे रोका क्यों नहीं जा सका। मृतकों की संख्या बताने से अधिक उपयोगी है दुर्घटना के कारणों और प्रशासनिक प्रतिक्रिया की पड़ताल करना। खबर को सनसनी से समाधान की ओर ले जाना ही जिम्मेदार पत्रकारिता है।

सड़क सुरक्षा का संस्कार भी केवल सरकारी अभियानों से नहीं आएगा। परिवार, विद्यालय और समाज—तीनों को इसमें भूमिका निभानी होगी। बच्चे यातायात नियमों की किताब से कम और बड़ों के व्यवहार से अधिक सीखते हैं। यदि घर में हेलमेट को बोझ और सीट बेल्ट को औपचारिकता समझा जाएगा, तो सड़क सुरक्षा का कोई अभियान बहुत दूर तक नहीं जाएगा।

असल चुनौती कानूनों की कमी नहीं, उनके पालन और निगरानी की निरंतरता है। नियम तभी प्रभावी होते हैं जब उनका उल्लंघन अपवाद रहे, सामान्य व्यवहार नहीं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि सड़क दुर्घटनाएं केवल परिवहन विभाग का विषय नहीं हैं। यह शहरी नियोजन, सड़क अभियांत्रिकी, कानून-व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं और नागरिक व्यवहार—सभी से जुड़ा हुआ प्रश्न है। इसलिए समाधान भी बहुस्तरीय होना चाहिए। आखिर सड़क का उद्देश्य हमें कहीं पहुंचाना है, किसी परिवार को उजाड़ना नहीं। विकास की असली कसौटी सड़क की लंबाई या चौड़ाई नहीं, उस पर बचने वाली जिंदगियां हैं। सड़क पर गुजरने वाला प्रत्येक व्यक्ति केवल एक यात्री नहीं—किसी परिवार की जिम्मेदारी, उम्मीद और भविष्य है। इस साधारण-सी बात को हमारी सड़क नीति, प्रशासनिक व्यवस्था और नागरिक व्यवहार का केंद्र बना दिया जाए, तो शायद सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों से आगे बढ़कर हम उनके पीछे छिपी मानवीय त्रासदी को भी कम कर सकेंगे।

एसडीएम सदर ने साहित्यिक कृतियों को चेंबर में दिया सम्मान

संवाददाता

एटा । मृदुभाषी, व्यवहार-कुशल एवं साहित्य के प्रति सम्मान का भाव रखने वाली उप जिलाधिकारी सदर, एटा सुश्री श्वेता सिंह से शुक्रवार शाम तहसील परिसर में जिले के वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यप्रेमी राजू उपाध्याय ने शिष्टाचार भेंट की ।इस दौरान उन्होंने अपनी साहित्यिक कृतियां 'मन के वृंदावन में' तथा 'एहसासों की नर्म दूब' उप जिलाधिकारी को भेंट कीं। दोनों साहित्यिक कृतियों का लोकार्पण विश्व पुस्तक मेले में हो चुका है और इन रचनाओं में मानवीय संवेदनाओं, भावनाओं तथा जीवन के विभिन्न पक्षों को साहित्यिक अभिव्यक्ति प्रदान की गई है ।उप जिलाधिकारी श्वेता सिंह ने दोनों कृतियों को सहर्ष स्वीकार करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया ।उन्होंने पुस्तकों को अपने चेंबर में प्रमुखता से प्रदर्शित कर साहित्य और साहित्यकारों के प्रति अपनी रुचि एवं सम्मान का परिचय दिया ।अधिकारी द्वारा साहित्यिक कृतियों को इस प्रकार सम्मान दिए जाने से पत्रकार एवं साहित्यकार समुदाय में भी सकारात्मक संदेश गया ।इस अवसर पर राजू उपाध्याय ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा साहित्यिक कृतियों के प्रति रुचि और सम्मान व्यक्त किया जाना रचनाकारों का उत्साह बढ़ाने वाला कदम है। उन्होंने उप जिलाधिकारी श्वेता सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सहजता, विनम्रता एवं साहित्य के प्रति सम्मान की भावना सराहनीय है ।भेंट के दौरान साहित्य, पत्रकारिता और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। कार्यक्रम के दौरान पत्रकार संदीप शर्मा भी उपस्थित रहे।

बच्चों की मुस्कान के बीच सजा खुशियों का कार्यक्रम, सीडीओ ने बांटा स्नेह

➢ राजकीय विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण अभिकरण में बच्चों के साथ केक काटकर मनाया

➢ उत्साहपूर्ण कार्यक्रम ऐश्प्रा ज्वेलर्स ने कपड़े, खिलौने, शैक्षिक सामग्री और खाद्य सामग्री भेंट कर बढ़ाई खुशियां

संवाददता पूर्वांचल की विरासत

कुशीनगर। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण अभिकरण, कुशीनगर में आवासित बच्चों के लिए शुक्रवार को खुशियों और आत्मीयता से भरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। ऐश्प्रा ज्वेलर्स, पडरौना के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव ने बच्चों के साथ समय बिताकर उनका उत्साह बढ़ाया। सीडीओ ने बच्चों को स्नेहपूर्वक दुलारते हुए उनके साथ आत्मीय संवाद किया और टैडी बियर व विभिन्न प्रकार के खिलौने भेंट किए। वहीं, ऐश्प्रा ज्वेलर्स की ओर से बच्चों के लिए कपड़े, खिलौने, लिखने-पढ़ने की सामग्री के साथ चिप्स, चॉकलेट, बिस्किट सहित अन्य खाद्य सामग्री उपहार स्वरूप प्रदान की गई।

कार्यक्रम का माहौल उस समय और खुशनुमा हो गया, जब मुख्य विकास अधिकारी ने बच्चों के साथ केक काटकर खुशियां साझा कीं। उन्होंने बच्चों के साथ आत्मीय समय बिताने के साथ संस्था में उनके लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। मुख्य विकास अधिकारी ने संस्था के कर्मचारियों को बच्चों की नियमित और समुचित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को निर्धारित समय पर पौष्टिक भोजन एवं दूध उपलब्ध कराया जाए और परिसर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और समुचित देखभाल को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि इस मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी शैलेन्द्र कुमार गौतम, बाल कल्याण समिति के सदस्य तथा महिला कल्याण विभाग की विभिन्न इकाइयों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुकलौली के डेंजर जोन में लगे चेतावनी संकेतक

संवाददता पूर्वांचल की विरासत

मऊ। अमिला-मादी मुख्य मार्ग पर सुकलौली के समीप घुमावदार मोड़ पर लगातार हो रहे सड़क हादसों के बाद पीडब्ल्यूडी ने सुरक्षा के इंतजाम शुरू कर दिए हैं। विभाग की ओर से पहले झाड़ियों की कटाई कराई गई और शुक्रवार को घुमावदार मोड़ से पहले दोनों तरफ चेतावनी बोर्ड व सड़क किनारे संकेतक लगाने का काम शुरू किया गया। दरअसल, पिछले सप्ताह इसी स्थान पर तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई थी। हादसे में 34 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद 'अमर उजाला' ने बुधवार को घुमावदार मोड़ पर संकेतक नहीं होने और सड़क किनारे बढ़ी झाड़ियों को लेकर खबर प्रकाशित की थी। खबर का संज्ञान लेते हुए विभाग ने मौके पर सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की पहल की। शुक्रवार को कर्मचारियों ने घुमावदार सड़क से पहले गति नियंत्रित करने संबंधी चेतावनी बोर्ड लगाने के साथ सड़क किनारे संकेतक भी लगाए। इससे वाहन चालकों को मोड़ से पहले सावधान करने और गति कम कराने में मदद मिलेगी। ग्रामीण आलोक राय मंडल अध्यक्ष बड़राव, अभिषेक राय, सोनू, रामप्यारे यादव, रामसिंह पटेल, रामकिशोर राय आदि ने विभाग की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि यदि समय रहते यहां संकेतक और झाड़ियों की कटाई करा दी गई होती तो कई हादसों को टाला जा सकता था।

राशन दुकान चयन को लेकर पडरौना ब्लॉक में हंगामा

विश्व हिन्दू महासंघ और प्रधान संघ आमने-सामने

➢जंगल गायघाट के ग्रामीणों ने मतदान से नई दुकान के चयन की उठाई मांग, बीडीओ कार्यालय पर नारेबाजी के बाद पुलिस तैनात।

संवाददता पूर्वांचल की विरासत

कुशीनगर । जनपद के पडरौना विकास खंड के ग्राम पंचायत जंगल गायघाट में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के चयन को लेकर शुक्रवार को मामला उस समय गरमा गया, जब विश्व हिन्दू महासंघ के कार्यकर्ता अपनी मांग लेकर ब्लॉक मुख्यालय पहुंच कर धरने पर बैठ गये। ग्रामीणों ने मांग किया कि निरस्त हो चुकी सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के स्थान पर नई दुकान का चयन ग्राम पंचायत के राशन कार्ड धारकों के मतदान के माध्यम से कराया जाए, ताकि चयन प्रक्रिया को लेकर किसी तरह का विवाद न हो सके।

धरने में भाजपा से जुड़े राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त राजेश्वर सिंह के पुत्र नीरज कुमार सिंह उर्फ बिट्टू तथा हिंदूवादी नेता राजन जायसवाल के नेतृत्व में किए जाने की बात सामने आई। दोनों के साथ ग्रामीण व कार्यकर्ता विकास खंड कार्यालय पहुंचे और खंड विकास अधिकारी से मामले में बातचीत करने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि बातचीत के दौरान किसी बात को लेकर स्थिति बिगड़ गई और प्रदर्शनकारियों ने बीडीओ के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद मामला केवल राशन दुकान के चयन तक सीमित न रहकर ग्रामीणों और ब्लॉक प्रशासन के बीच विवाद का रूप लेने लगा। स्थिति को देखते हुए पुलिस और स्थानीय स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद पडरौना विकास खंड प्रधान संघ के अध्यक्ष मुकेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में प्रधान भी मौके पर पहुंचे। प्रधान संघ ने पहले प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया। हालांक, स्थिति को देखते हुए प्रधान संघ ने बीडीओ के समर्थन में खड़े होकर प्रदर्शन समाप्त करने की अपील की। प्रधान संघ की ओर से कहा गया कि बीडीओ के स्तर से ऐसा कोई कार्य नहीं किया गया है, जिससे स्थिति को टकराव तक ले जाया जाए। यदि प्रक्रिया में कहीं कोई कमी या त्रुटि हुई है तो उसे नियमानुसार सुधारने का प्रयास किया जा सकता है, लेकिन कार्यालय पर प्रदर्शन और नारेबाजी से स्थिति को बिगाड़ना उचित नहीं है। दूसरी ओर प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि प्रधान संघ बीडीओ को बचाने के पक्ष में खड़ा है और ग्रामीणों की मांग को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इसी को लेकर देर शाम तक ब्लॉक परिसर में दोनों पक्षों के बीच तनातनी की स्थिति बनी रही। शाम करीब साढ़े पांच बजे तक ब्लॉक परिसर में पुलिस बल तैनात रहा। प्रधान, ग्रामीण, प्रदर्शनकारी और अन्य लोग मौके पर मौजूद रहे। फिलहाल पूरा विवाद सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के नए चयन की प्रक्रिया और उसे लेकर उठे आरोप-प्रत्यारोप के इर्द-गिर्द केंद्रित है। ग्रामीणों का कहना था कि नई दुकान के चयन में ग्राम पंचायत के राशन कार्डधारकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए और मतदान के माध्यम से प्रक्रिया पूरी कराई जाए। वहीं प्रधान संघ का कहना है ।

पुरानी रंजिश में दो पक्षों में मारपीट, चले ईंट-पत्थर

बलिया। थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच बुधवार को फिर विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में लाठी-डंडे चलने लगे और ईंट-पत्थर भी फेंके गए। मारपीट में दोनों पक्षों के छह लोग घायल हो गए। रघुनाथपुर निवासी नारायण राजभर और शिवजी राजभर के पक्ष के बीच रंजिश को लेकर एक दिन पहले भी विवाद हुआ था। दूसरे कहासुनी के बाद विवाद बढ़ा और मारपीट शुरू हो गई। घायलों में एक पक्ष के नारायण राजभर (50), धानमनी देवी (45), बजरंगी (30) और रीना देवी (25), जबकि दूसरे पक्ष के कलावती देवी (40) और शिवजी राजभर (45) शामिल हैं। थानाध्यक्ष वंशबहादुर सिंह ने कहा कि दोनों पक्षों से तहरीर और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

शादी का झांसा देकर संबंध बनाए डेढ़ लाख भी ठगे,युवक पर केस दर्ज

बस्ती। जिले में एक महिला ने युवक पर शादी का झांसा देकर संबंध बनाने और घर बनवाने के नाम पर करीब डेढ़ लाख रुपये लेने का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक और उसके भाई के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने पुलिस को बताया कि अमर नाम के युवक ने उससे शादी करने का वादा किया था। इसी झांसे में उसने महिला के साथ संबंध बनाए। महिला का आरोप है कि अमर ने घर बनवाने के लिए उससे करीब डेढ़ लाख रुपये भी लिए थे। बाद में जब महिला ने अपनी रकम वापस मांगी, तो अमर ने पैसा लौटाने से मना कर दिया। महिला के मुताबिक, जब उसने शादी की बात कही, तो अमर और उसके भाई विवेक ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। महिला का आरोप है कि दोनों भाइयों ने कहा कि न तो पैसा वापस किया जाएगा और न ही उससे शादी की जाएगी। इसके बाद महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर 18 सितंबर 2026 को शाम 6रू13 बजे कोतवाली थाने में अमर और विवेक के खिलाफ केस दर्ज किया है। अमर और विवेक ग्राम नगर (मालिया टोला) थाना नगर बस्ती के रहने वाले हैं।

अंतिम संस्कार के बाद गंगा में नहाते समय युवक डूबा

बलिया। बलुआ थाना क्षेत्र के पश्चिम वाहिनी गंगा घाट पर शुक्रवार की शाम अंतिम संस्कार में शामिल होने आया युवक नहाते समय डूब गया। इससे अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश शुरू कराई, लेकिन देर शाम तक उसका पता नहीं चल सका। क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव निवासी महेंद्र राम का बेटा लवकुश राम (30) शाम को रिश्तेदार उदल राम की पत्नी तीजा देवी के अंतिम संस्कार में शामिल होने बलुआ घाट आया था। दाह संस्कार के बाद वह गंगा में स्नान करने लगा। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे डूबता देख साथ में मौजूद लोगों ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश शुरू कराई। लवकुश मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था।

मऊ जंक्शन पर नो-पार्किंग जोन में ऑटो और ई-रिक्शा का कब्जा

मऊ। मऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन परिसर के मुख्य द्वार और संपर्क मार्गों पर इन दिनों अव्यवस्था है। स्टेशन परिसर के बाहर आरपीएफ और स्थानीय पुलिस की मुस्तैदी न होने के कारण दिनभर भीषण जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की मनमानी इस कदर बढ़ गई है कि वे नो-पार्किंग जोन में ही अपने वाहन खड़े कर सवारियां भरने लगते हैं, जिससे स्टेशन आने-जाने वाले रेल यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मऊ जंक्शन से रोज 44 ट्रेनें गुजरती हैं, इनसे करीब 10 से 12 हजार लोग यात्रा करते हैं। जाम की सबसे अधिक समस्या सुबह 6 बजे से 11 बजे, दोपहर 01 बजे से 4 बजे और शाम से रात तक रहती है। लोग अपने रिश्तेदारों और परिवार के लोगों को चार पहिया या दो पहिया वाहनों से छोड़ने आते हैं, लेकिन उन्हें निकलने में अधिक समय लगता जाता है। बीते 05 सितंबर की सुबह करीब 11 बजे पार्किंग रसीद काटने और शुल्क वसूली को लेकर पार्किंग ठेकेदार और ई-रिक्शा चालक के बीच नोकझोंक के बाद हिंसक मारपीट हो गई थी।

बोरी में रखे संदिग्ध विस्फोटक पदार्थ में धमाके से पांच वर्षीय मासूम घायल

संवाददता पूर्वांचल की विरासत

वाराणसी। कपसेठी थाना क्षेत्र के स्थानीय बाजार में शनिवार को एक जनरल स्टोर में रखे संदिग्ध विस्फोटक के पैकेट में अचानक विस्फोट होने से पांच वर्षीय मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। वहीं जानकारी होने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ भी लग गई। परिजनों ने आनन-फानन में घायल बच्चे को कपसेठी चौराहे पर स्थित शर्मा क्लीनिक में भर्ती कराया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे हेरिटेज अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। बताया जाता हैं कि कपसेठी बाजार में स्थित जायसवाल जनरल स्टोर के अंदर रखे संदिग्ध विस्फोटक के पैकेट में ब्लास्ट होने से घर के खिड़की, दरवाजा, ईंट से बनी रेलिंग टूट गए। शनिवार सुबह करीब नौ बजे पांच वर्षीय कार्तिक जायसवाल पुत्र आशीष जायसवाल किसी तरह दुकान के अंदर पहुंच गया। इसी दौरान पैकेटो में अचानक विस्फोट हो गया। विस्फोट की चपेट में आने से कार्तिक गंभीर रूप से घायल हो गया। धमाके की आवाज इतनी तेज था कि लोग इकट्ठा हो गए परिजन मौके पर पहुंचे तो वहां का मंजर देख रोने चिल्लाने लगे। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस ने घटना की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। दुकान में विस्फोटक किसके अनुमति के तहत रखे गए थे और सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में भी चिंता है।। इस मामले में पूछे जाने पर कपसेठी थानाध्यक्ष विकास मौर्य ने बताया कि प्रथम दृष्टया विस्फोट हुआ है जांच कर आगे की कार्यवाही की जाएगी।।

आग में झुलसी महिला की मौत

संवाददता पूर्वांचल की विरासत

बस्ती। जिले के दुबौलिया थाना क्षेत्र के दामोदरपुर गांव में शुक्रवार देर रात आग में झुलसने से महिला की मौत हो गई। गंभीर हालत में परिजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर कर दिया। परिजन लखनऊ ले जा रहे थे, तभी रास्ते में उनकी मौत हो गई। आग किन परिस्थितियों में लगी, इसका पता अभी नहीं चल सका है। मृतका की पहचान दामोदरपुर गांव निवासी कविता यादव (32) के रूप में हुई है। वह लालजी यादव की पत्नी थीं। ग्रामीणों के मुताबिक, शुक्रवार रात करीब 10 बजे कविता के आग में झुलसने की जानकारी परिवार को हुई। परिजन उन्हें आनन-फानन बस्ती के जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। जिला अस्पताल से रेफर किए जाने के बाद परिजन कविता को लेकर लखनऊ के लिए रवाना हुए। देर रात रास्ते में ही उनकी हालत बिगड़ गई और उन्होंने दम तोड़ दिया। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। घटना के बाद गांव में भी शोक का माहौल है। कविता के पति लालजी यादव दुबई में काम करते हैं। परिजनों के मुताबिक, वह करीब छह महीने पहले घर आए थे और इसके बाद वापस दुबई चले गए।

कविता के दो बच्चे हैं। 11 साल की बेटी नैंसी और 8 साल का बेटा ऋषभ शुकुलपुर के इंडियन पब्लिक स्कूल में पढ़ते हैं। मां की मौत के बाद दोनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। दुबौलिया थानाध्यक्ष जीवन तिवारी ने बताया कि पुलिस को महिला की मौत की जानकारी मिली है। अभी तक परिवार की ओर से कोई शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आग किन परिस्थितियों में लगी और महिला कैसे झुलसीं, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

डेंगू से पीडित छात्रा की इलाज के दौरान मौत, परिवार में पसरा मातम

संवाददता पूर्वांचल की विरासत

वाराणसी। बड़ागांव ब्लाक के खंड शिक्षा अधिकारी विजय प्रकाश यादव की 22 वर्षीय पुत्री का असामयिक निधन हो गया। परिजनों के अनुसार काफी इलाज के बाद भी उसे बचाया नहीं जा सका। पुत्री के निधन की जानकारी देते हुए खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि उनकी बेटी दिव्यांशी यादव लखनऊ स्थित किंग जार्ज मेडिकल कालेज में नर्सिंग की छात्रा थी और बीते कुछ दिनों से वह डेंगू से पीड़ित थी और उसे लखनऊ में एडमिट कराया गया था। बताया कि शुक्रवार को उनकी सेहत में सुधार होता न देख परिजनों को भेज कर बेटी को अपने शिवपुर स्थित घर बुलाया था और वाराणसी में पुन: उसकी जांच करा कर उसे एक निजी अस्पताल में एडमिट भी किया था। काफी इलाज के बाद भी सेहत में कोई राहत नहीं मिली और शनिवार की सुबह उसका निधन हो गया। निधन की सूचना मिलते ही शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। वहीं परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया। शोक व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से जिला विद्यालय निरीक्षक भोलेंद्र प्रताप सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी पंकज यादव, शशिकांत श्रीवास्तव, नागेंद्र सरोज, संजय यादव, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सकलदेव सिंह, जिलामंत्री डॉ शैलेंद्र विक्रम, मनोज सिंह, संतोष सिंह, राकेश पाठक, डॉ. राजेश्वर, अजय तिवारी सहित सैकड़ों शिक्षक शामिल रहे। मणिकर्णिका घाट पर दोपहर में अन्त्येष्टि की गयी।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात वृद्ध की मौत

बांसडीहरोड। बलिया-छपरा रेलखंड पर बांसडीहरोड रेलवे स्टेशन के समीप दिउली गांव के पास सोमवार को ट्रेन की चपेट में आने से 65 वर्ष वृद्ध की मौत हो गई। हादसा रेलवे क्रॉसिंग संख्या 6 सी के पास हुआ। घटना की जानकारी औड़िहार-छपरा पैसेंजर ट्रेन के चालक ने बांसडीहरोड रेलवे स्टेशन के स्टेशन अधीक्षक रविंद्र नाथ चौबे को दी। उन्होंने तत्काल रेलवे कंट्रोल और संबंधित अधिकारियों को सूचना दी। रेलवे से जानकारी मिलने के बाद बांसडीहरोड पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। थानाध्यक्ष बांसडीहरोड वंश बहादुर सिंह ने कहा कि मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के गांवों में जानकारी जुटाने के साथ ही मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

आनंद विहार-मुजफ्फरपुर के बीच चलेगी पूजा स्पेशल ट्रेन

संवाददता पूर्वांचल की विरासत

बस्ती। यात्रियों को दशहरा, दीपावली और छठ पर्व पर राहत मिलेगी। रेलवे ने आनंद विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर के बीच साप्ताहिक पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन 13 अक्तूबर से 25 नवंबर तक चलेगी। इससे बस्ती और आसपास के यात्रियों को आने-जाने में सुविधा होगी। ट्रेन संख्या 04028 आनंद विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर साप्ताहिक पूजा स्पेशल 13 अक्तूबर को रात 9.15 बजे आनंद विहार टर्मिनल से चलेगी। यह ट्रेन अमरोहा, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर और गोंडा होते हुए सुबह 8.40 बजे बस्ती पहुंचेगी। इसके बाद यह खलीलाबाद और गोरखपुर के रास्ते मुजफ्फरपुर जाएगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04027 मुजफ्फरपुर से 14 अक्तूबर को शाम 6.15 बजे रवाना होगी। यह हाजीपुर, सोनपुर, छपरा और गोरखपुर होते हुए रात 1.50 बजे बस्ती पहुंचेगी। फिर गोंडा, सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली और मुरादाबाद के रास्ते आनंद विहार टर्मिनल जाएगी। यह ट्रेन कुल 13 फेरे लगाएगी। पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के सीपीआरओ सुमित कुमार ने बताया कि त्योहारों के दौरान यात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए कई पूजा स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसके लिए रेलवे तैयारी कर रहा है। आनंद विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर पूजा स्पेशल में कुल 20 कोच होंगे। इनमें एक एसी द्वितीय श्रेणी, दो एसी तृतीय श्रेणी, नौ शयनयान श्रेणी, छह सामान्य द्वितीय श्रेणी और दो एसएलआर कोच शामिल हैं। शुक्रवार को शहीद एक्सप्रेस अपने तय समय से करीब 8.45 घंटे देरी से चली। इसे बस्ती स्टेशन पर सुबह 10.25 बजे पहुंचना था, लेकिन यह शाम 7.10 बजे के आसपास पहुंची। इसके अलावा, दरभंगा-नई दिल्ली क्लोन स्पेशल करीब डेढ़ घंटे, बरौनी-नई दिल्ली क्लोन स्पेशल दो घंटे और नई दिल्ली-दरभंगा क्लोन स्पेशल करीब तीन घंटे देरी से चली।

भारत इनोवेशन कॉन्क्लेव 2.0 में आठ क्षेत्रों के विजेता स्टार्टअप्स को मिला भारत इनोवेशन अवार्ड

संवाददता पूर्वांचल की विरासत

वाराणसी। प्रबंध संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के अटल इन्क्यूबेशन सेंटर द्वारा आयोजित दो दिवसीय भारत इनोवेशन कॉन्क्लेव 2.0-2026 शनिवार को स्वतंत्रता भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान, दिनभर विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं मुख्य वक्तव्य आयोजित किए गए। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), काशी क्षेत्र के अध्यक्ष उमंग कुमार साह ने नवाचार-आधारित विकास हेतु उद्योग-अकादमिक सहयोग विषय पर मुख्य वक्तव्य दिया। उन्होंने उद्यमिता में निर्भीकता के महत्व पर जोर देते हुए युवा नवाचारकों से आग्रह किया कि वे तेजी से बदलते बाजार परिदृश्य को अवसर के रूप में देखें। इसके साथ ही, उन्होंने शोध और विचारों को व्यावहारिक एवं व्यापक प्रभाव में बदलने के लिए अकादमिक जगत और कॉरपोरेट क्षेत्र के बीच गहरे सहयोग की आवश्यकता पर भी चर्चा की।

उत्तर प्रदेश सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के परामर्शदाता रवि शंकर पांडेय ने स्टार्टअप विकास हेतु सरकार-उद्योग तालमेल विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की पहलें किस प्रकार उत्तर प्रदेश में प्रारंभिक चरण के स्टार्टअप्स को सहयोग प्रदान कर रही हैं। समापन समारोह में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथिगण एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति मंच पर उपस्थित हुए। इस अवसर पर प्रो. पी.वी. राजीव, प्रोफेसर-इंचार्ज एवं डायरेक्टर-इंचार्ज, एआईसी-बीएचयू भी मौजूद रहे। भारत इनोवेशन कॉन्क्लेव, आईएम-बीएचयू के अध्यक्ष डॉ. रविकिरण प्रभाकर ने दो दिवसीय कार्यक्रम का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें भागीदारी के व्यापक स्तर एवं विभिन्न क्षेत्रीय ट्रैक्स में प्रदर्शित नवाचारों की गुणवत्ता को रेखांकित किया गया। , इसके बाद, कार्यक्रम के सबसे महत्वपूर्ण भाग में मुख्य अतिथि और मंच पर उपस्थित गणमान्यजनों ने सभी आठ क्षेत्रीय ट्रैक्स

पूर्वांचल की विरासत
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
आर डी प्रिंटर्स एन्ड पब्लिसर्स प्रा. ली, बी48 सेक्टर 8 नोएडा गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रीत कराकर श्री शुकदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्यालय भठहीं खुर्द थाना चौरा खास जिला कुशीनगर से प्रकाशित
प्रधान सम्पादक
सुभाष प्रसाद त्रिपाठी
सम्पादकीय कार्यालय
शुकदेव प्रसाद त्रिपाठी महाविद्याल भठहीं खुर्द थाना चौरा खास जनपद कुशीनगर, उत्तर प्रदेश
मो० 9454623444
9839554645
RNI NoUPHIN/26/A4139
समस्त विवादो का न्याय जनपद कुशीनगर में होगा ।

सम्पादकीय

दर्द देता इलाज

किसी अस्पताल में उपचाराधीन कोई मरीज जब किसी रोग से लड़ रहा होता है तो वह इस स्थिति में नहीं होता कि उपचार में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों व दवा आदि के तार्किक मूल्यों की पड़ताल कर सके। वह यह पूछने की स्थिति में भी नहीं होता कि किसी दवा, सिरिंज या कैथेटर आदि की कीमत जायज है या नाजायज। वैसे भी अस्पताल संचालकों द्वारा संचालित किए जा रहे मेडिकल स्टोरों में वह कीमत को लेकर अपना पक्ष रखने की हालत में नहीं होता। यह विडंबना ही है कि दवा कंपनियां बिचौलियों व मेडिकल स्टोर के मालिकों को लुभाने के लिए दवा की वास्तविक लागत कीमत व कथित एमआरपी में बड़ा फर्क रखती हैं, जिसके चलते दवा विक्रेता मरीजों के तीमारदारों से मनमानी कीमतें वसूल कर मुनाफा कूटते हैं। जिसकी पुष्टि महाराष्ट्र के फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा अस्पतालों में उपयोग किए जाने वाले सामान की कीमतों की राज्यव्यापी पड़ताल के निष्कर्ष करते हैं। फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन महाराष्ट्र के तेजतर्रार कमिश्नर तुकाराम मुंढे की पहल पर किए गये राज्यव्यापी सर्वेक्षण में पाया गया कि एक अस्पताल द्वारा खरीदे गए एक आईवी एन्फ्यूजन सेट की कीमत मात्र 11 रुपये थी और उस पर एमआरपी 325 दर्ज थी, जो वास्तविक कीमत से हजारों फीसदी अधिक थी। एक सिरिंज जिसकी खरीद कीमत 6.7 रुपये थी, उसकी एमआरपी 57 रुपये थी। जबकि 29 रुपये में खरीदा गया कैथेटर 310 रुपये एमआरपी वाला था। निस्संदेह, सप्लाई चेन में भी कुछ खर्च होते हैं, लेकिन अस्पताल व उनके मेडिकल स्टोर इन दवाइयों पर अंधा मुनाफा कमा रहे हैं। यह दुखद ही है कि जहां पहले ही मरीज रोग से पीड़ित होता है, वहां दवाइयों की कीमतों को लेकर पारदर्शिता का अभाव उसके दर्द को बढ़ाने वाला ही होता है। यह उम्मीद जगाने वाली पहल है कि कमिश्नर मुंढे ने एफडीए की पड़ताल के निष्कर्ष और सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी है कि मेडिकल उपकरणों की कीमतों की पड़ताल और मुनाफे की सीमा निर्धारण पर गंभीरता से विचार किया जाए। साथ ही इस बाबत सशक्त निगरानी तंत्र विकसित किया जाए। इस तरह अब यह महत्वपूर्ण मामला राष्ट्रीय नियामक संस्थाओं के पास है, जिसमें एनपीपीए और फॉर्मास्यूटिकल विभाग आदि शामिल हैं। यह सुखद है कि मामला एक ईमानदार अधिकारी की सख्त पहल के बाद उजागर हुआ है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि मरीजों को उलटे उस्तरे से मूंडने का यह खेल दशकों से बदस्तूर जारी है। जिन सरकारों व संबंधित विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी इसकी निगरानी की थी, वे निहित स्वार्थों के चलते मूकदर्शक बने रहे हैं। महाराष्ट्र में एफडीए के कमिश्नर का पदभार संभालने के बाद मुंढे ने पूरे राज्य में खाद्य पदार्थों में मिलावट व सेहत के लिए हानिकारक खाद्य पदार्थों के खिलाफ एक जोरदार अभियान चला रखा है। इतना ही नहीं, इस सार्थक पहल के बाद एफडीए ने बड़ी मात्रा में लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वाली असुरक्षित खाद्य सामग्री भी जब्त की है। साथ ही खाद्य सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन करने वाले कई नामी प्रतिष्ठानों व तथाकथित दिग्गजों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई है। विडंबना यह है कि खाद्य पदार्थों और चिकित्सा उपयोग में आने वाली वस्तुओं की कीमत व गुणवत्ता की जांच-पड़ताल और इनसे खुद को सुरक्षित रखने की सटीक जानकारी उपभोक्ता के पास नहीं होती है। फिर स्थानीय प्रशासन के लोग सिर्फ खाना-पूर्ति के लिए कभी-कभार छापेमारी करके अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेते हैं। यह शासन-प्रशासन का सामान्य दायित्व है कि अस्पताल में प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं की कीमतें न्यायसंगत व पारदर्शी हों। निस्संदेह उपभोक्ता को वस्तुओं की वास्तविक कीमत की जानकारी दी जानी चाहिए। जहां जरूरी हो, वहां उचित मार्जिन ही लिया जाना चाहिए। निस्संदेह, केंद्र सरकार को मुंढे की रिपोर्ट पर समय रहते उचित कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि अस्पतालों में मरीजों के उपचार में काम में आने वाले सामान की स्पष्ट बिलिंग हो। ताकि नाजायज ढंग से मुनाफा कमाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके। ऐसा करना केंद्र व राज्य सरकारों का नैतिक दायित्व भी है।

एआई से खतरों के बीच मुनाफे और ताकत के दांव

इन दिनों दुनियाभर खासकर अमेरिका में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से होने वाली तबाही पर गर्म बहस छिड़ गई है। विश्व के भविष्य को लंबे समय तक प्रभावित करने वाली तकनीक में दो महाशक्तियों अमेरिका और चीन के साथ दिग्गज टेक्नालॉजी कंपनियों के बड़े दांव लगे हैं। एआई से मानवता के अस्तित्व को खतरों की चेतावनियों के बावजूद कोई पक्ष पीछे नहीं हटना चाहता है। अमेरिका, चीन को अपना प्रभाव कम होने और पिछड़ने की आशंका है तो टेक कंपनियों की नजर अरबों रुपए के निवेश और मुनाफे पर है। इस रस्साकशी ने उम्मीद जगाई है कि देर-सबेर एआई पर काबू पा लिया जाएगा। एआई या कृत्रिम बुद्धि के विध्वंसक नतीजों के बारे में एआई के गॉडफॉदर माने जाने वाले वैज्ञानिक ही आगाह कर रहे हैं। यहां कुछ नामी साइंटिस्ट का जिक्र काफी होगा।

नई फसल के स्वागत का त्योहार

बाबा मायाराम

हाल ही में नवाखाई का त्योहार मनाया गया। यह खेती-बाड़ी और कृ षि परंपरा से जुड़ा है। विशेषकर, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में यह त्योहार उत्साह से मनाया जाता है। हमारी खेती-किसानी इस समय संकट से गुजर रही है। ऐसे त्योहार हमें खेतीकृकिसानी, पशुपालन, और प्रकृति के सामंजस्य की याद दिलाते हैं। आज इसी त्योहार के बहाने खेती-किसानी की परंपराओं पर बात करना चाहूंगा, जिससे इसके महत्व को समझा जा सके। नवाखाई का शाब्दिक अर्थ नया खाना है। यह त्योहार धान की नई फसल के स्वागत के लिए मनाया जाता है। नए अन्न की पूजा की जाती है। इस मौके पर किसान खेती के औजारों, जैसे हल-बैल, फसल और खेत की पूजा करते हैं। यह त्योहार ग्रामीण जीवन में खुशी और उम्मीद जगाता है। इस त्योहार में लोग उनकी कुल देवी-देवता की खेतों में पूजा करते हैं और धन-धान्य से भरपूर होने की कामना करते हैं। नवाखाई के एक दिन पहले धान की बालियों के साथ चिवड़ा, और पूजा के फूल पूजा की तैयारी के लिए रख लिए जाते हैं। कुछ जगह चिवड़ा, गुड़ के साथ देवताओं को प्रसाद चढ़ाया जाता है सबको प्रसाद दिया जाता है। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में नुआखाई का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस मौके पर सिहाड़ी पत्तों का इस्तेमाल भी आम है। इस मौके पर नए चावल से बनी खीर को प्रसाद स्वरूप देवताओं को भोजन चढ़ाया जाता है। सभी लोग नए कपड़े पहनते हैं। इस त्योहार के लिए कई दिनों से तैयारी करते हैं। घरों की साफ-सफाई व लिपाई-पुताई भी की जाती है। इस त्योहार को अलग-अलग समय में मनाते हैं। इस त्योहार को मनाने का सिलसिला लम्बे समय तक चलता है। पिछले साल में मैं एक निजी कार्य से ओडिशा के बरगढ़ शहर में था। वहां मुझे एक किसान ने भोजन के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने स्वाली (मीठी रोटी) खीर, दाल चावल, पापड़, चटनी और हरी पत्तीदार सब्जियां बनाई थीं। उन्होंने बताया कि अरसा पीठा विशेष रूप से तैयार किया जाता है। नुआखाई के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हो जाता है। यह कुछ समय तक चलता है। इसमें भी लोगों का मिलना-जुलना होता रहता है। इस मौके पर मुझे कुछ साल पहले ओडिशा के मुनिगुड़ा की रेल यात्रा याद आ रही है। मैं मुनिगुड़ा एक मिश्रित खेती का प्रयोग देखने गया था। वहां से रायपुर लौटते समय ट्रेन में दूरदराज गांव की एक बुजुर्ग महिला मिली थी, जो बिलासपुर में रहने वाली उसकी बेटी के लिए नुआखाई के पकवान लेकर जा रही थी। उसने पोटली दिखाते हुए बताया था कि वह उसकी नातिनों के लिए गांव से अरसा पीठा बनाकर ले जा रही है। यानी यह परिजनों से मिलने-जुलने का भी अच्छा मौका होता है। यह त्योहार भाईचारे का भी है, लोग नुआखाई जुहार व भेंटघाट (सांस्कृतिक कार्यक्रम) के लिए एक दूसरे के घर आते जाते हैं। आपस में मिलकर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं भी देते हैं। सुदूर शहरों में नौकरीपेशा लोग भी गांव को चले आते हैं, और त्योहार में शामिल होते हैं। इस त्योहार में जिन खेती के औजारों व बैलों की पूजा होती है, अब उनमें से कईयों का खेती में उपयोग कम हो गया है, या नहीं के बराबर है। हल-बैल की जगह ट्रेक्टर आ गए हैं। जबकि पहले पशुओं के बिना खेती संभव नहीं थी। रासायनिक खेती की अपनी कई समस्याएं है, जो सभी जानते हैं।हाल ही में पोला त्योहार निकला है, इसमें ग्रामीणों द्वारा बैलों की पूजा की जाती है। पशुपालन के बिना खेती अधूरी है। इसमें एक चक्र बना रहता था। फसलों के ठंडल व भूसा, खेत के चारे को पशु खाते थे, खेतों में उनसे जुताई होती थी, उनके गोबर की खाद से खेत की मिट्टी उर्वरक बनती थी। इस तरह टिकाऊ खेती की परंपरा थी। पशुपालन खेती का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हुआ करता था। गाय-बैल को परिवार के सदस्य की तरह उनकी परवरिश की जाती थी। हाल तक यह परंपरा जारी रही है, कुछ जगह अब भी है। खेती में बैल की जगह ट्रेक्टर आने से ऐसा लगता है कि खेती की आत्मा ही खो गई है। खेती और बैल का रिश्ता अटूट रहा है। उससे एक पूरा चक्र बनता है। खेती में फसलों के डंठल मवेशी खाते हैं, मनुष्य अनाज के लिए होता है। बैल खेत की जुताई करते हैं। उसके गोबर खाद से मिट्टी उर्वर बनती है। मेरे पिता एक छोटे किसान थे। हालांकि मैंने खुद किसानी नहीं की है, पर देखी है। घर में, पड़ोस में, गांव में खेती को करते हुए नजदीक से देखा है। बचपन में उसमें थोड़ा बहुत हाथ भी बंटाया है। देशभर में घूम-घूमकर किसानों से किसानी को समझा है। उस पर रिपोर्टिंग की है। इसलिए खेती को जाना-समझा है। पहले किसान के घर का बीज होता था, पशुओं की गोबर से खाद बनती थी, हल-बैल से खेती होती थी, इसलिए किसान की लागत कम होती थी। अब भी प्राकृतिक खेती में यही तौर-तरीके अपनाए जाते हैं। स्थानीय पेड़-पौधों की पत्तियों से जैव कीटनाशक बनाए जाते हैं। जैविक खाद का उपयोग किया जाता है। इसमें भी कृषि लागत कम हो जाती है। पिछले कुछ सालों से रासायनिक खेती का संकट साफतौर पर उभरकर सामने आया है। खेती की लागत बढ़ती जा रही है। किसानों पर कर्ज हो जाता है और धीरे-धीरे वे इस कर्ज से उबर नहीं पाते हैं। क्योंकि खेती की लागत के अलावा और भी अन्य खर्चे बढ़ गए हैं। हमारी खेती में सैकड़ों सालों की अच्छी परंपराएं रही हैं। कृषि संस्कृति रही है। हमारे अधिकांश त्योहार खेती से जुड़े हैं। दीपावली भी इनमें से एक है। दीवाली पर गाय, बैल आदि सभी पालतू जानवरों को सजाया जाता है। उनकी पूजा की जाती है। यह वह समय होता है, जब किसान के घर खरीफकी फसल आ जाती है। इस दीवाली में समस्त जीव-जगत के पालन का विचार शामिल है। दीपावली पर भी अन्न व पशु धन की पूजा की जाती है। पहले स्कूलों में भी दीपावली की लम्बी छुट्टी होती थी। इसे फसली छुट्टी भी कहते थे। इस दौरान बच्चे उनके अभिभावकों के साथ खेतों में काम करते थे। खेती के तौर-तरीके सीखते थे। यानी फसल कटाई के लिए अवकाश भी इसे कहा जाता था। खेती अब कई समस्याओं से घिर गई है। कृषि सभ्यता ठहर गई है। खेती व गांव उजड़ती हुई सभ्यता के प्रतीक बनते जा रहे हैं। हम ऐसे आधुनिक समय में रह रहे हैं, जहां सब कुछ देखकर भी अनदेखा कर देते हें। किसान व किसान की पीड़ा हमारी आंखों से ओझल हो रहे हैं। हमें हमारी खेती किसानी को बचाना है तो हमें नुआखाई जैसे त्योहारों की भावना का सम्मान करना चाहिए। खेती-बाड़ी, पशुपालन और मिट्टी-पानी और पर्यावरण के संरक्षण की जरूरत है। क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ना चाहेंगे ?

भारत में नीरो और किम जोंग उन का जिक्र

प्रकृति के अनमोल सफाईकर्मी बचेंगे तो बचेगा पर्यावरण

गिद्ध भले ही डरावने दिखें, लेकिन प्रकृति के सफाईकर्मी और जनस्वास्थ्य के प्रहरी हैं। इनकी घटती संख्या चिंता का विषय है। पिंजौर का जटायु केंद्र इनके संरक्षण की उम्मीद बनकर उभरा है। गिद्धों को अक्सर एक अशुभ और डरावने पक्षी के रूप में देखा जाता है, जबकि वास्तव में वे प्रकृति के सबसे उपयोगी और आवश्यक जीवों में से एक हैं। ये पक्षी मृत पशुओं के अवशेषों को खाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रकृति में इनका योगदान केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि वे जनस्वास्थ्य की सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। दुर्भाग्यवश, भारत में पिछले कुछ दशकों के दौरान गिद्धों की संख्या में भारी गिरावट आई है, जिसके दूरगामी प्रभाव पर्यावरण और समाज, दोनों पर दिखाई दिए हैं। गिद्धों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक रोगों के प्रसार को रोकना है। जब कोई पशु मर जाता है, तो उसका शव विभिन्न प्रकार के जीवाणुओं, विषाणुओं और अन्य रोगजनकों का स्रोत बन सकता है। यदि ऐसे शव लंबे समय तक खुले में पड़े रहें, तो वे मिट्टी, जल और वायु को दूषित कर सकते हैं। गिद्ध इन शवों को बहुत कम समय में खाकर समाप्त कर देते हैं। उनके पाचन तंत्र में मौजूद अत्यधिक अम्लीय रस कई खतरनाक रोगजनकों को नष्ट कर देते हैं। इस प्रकार वे प्राकृतिक रूप से संक्रमण फैलने की संभावनाओं को कम करते हैं और मानव तथा पशु स्वास्थ्य की रक्षा में योगदान देते हैं। भारत में 1990 के दशक के बाद गिद्धों की आबादी में 95 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई। वैज्ञानिकों ने पाया कि पशुओं के उपचार में इस्तेमाल होने वाली डाइक्लोफेनाक नामक दवा गिद्धों के लिए घातक सिद्ध हुई। जब गिद्धों की संख्या घटने लगी, तो मृत पशुओं के शव अधिक समय तक खुले में पड़े रहने लगे। इससे आवारा कुत्तों और अन्य मृतभक्षी जीवों के लिए भोजन की उपलब्धता बढ़ी, जिसके परिणामस्वरूप उनकी संख्या में भी वृद्धि हुई। कई अध्ययनों ने संकेत दिया है कि आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी ने रेबीज जैसी बीमारियों के जोखिम को भी बढ़ाया। यह उदाहरण स्पष्ट करता है कि किसी एक प्रजाति की संख्या में कमी किस प्रकार जनस्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है।

इस संकट के बीच उत्तर भारत में संरक्षण की एक महत्वपूर्ण पहल हरियाणा के पिंजौर के निकट स्थित जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र है। चंडीगढ़ से इसकी क्षेत्रीय निकटता इसे इस पूरे क्षेत्र के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनाती है। यह केंद्र हरियाणा वन एवं वन्यजीव विभाग और बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी की संयुक्त पहल है। इसकी शुरुआत सितंबर 2001 में गिद्धों की तेजी से घटती संख्या के कारणों को समझने और संरक्षण के प्रयासों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से हुई थी। बाद में दक्षिण एशिया गिद्ध पुनर्प्राप्ति योजना की सिफारिशों के अनुरूप इसे संरक्षण-प्रजनन केंद्र के रूप में विकसित किया गया। पिंजौर का यह केंद्र मुख्य रूप से तीन गंभीर रूप से संकटग्रस्त गिद्ध प्रजातियोंकृव्हाइट-बैक्ड, लॉन्ग-बिल्डध्इंडियन और स्लेंडर-बिल्ड गिद्धकृके संरक्षण पर काम करता है। यहां सुरक्षित परिस्थितियों में वैज्ञानिक तरीके से प्रजनन कराया जाता है। नवजात और वयस्क पक्षियों की देखभाल के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य और व्यवहार की भी निगरानी की जाती है। केंद्र में क्वारंटीन, अस्पताल, नर्सरी और बड़े एवियरी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्रयोगशाला के माध्यम से पक्षियों के स्वास्थ्य और जैविक नमूनों की भी जांच की जाती है। जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र का महत्व केवल गिद्धों को सुरक्षित रखने तक सीमित नहीं है। केंद्र ने डाइक्लोफेनाक को गिद्धों की मृत्यु और आबादी में गिरावट के प्रमुख कारणों में से एक के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा, यहां वैकल्पिक पशु-औषधियों की सुरक्षा का अध्ययन, गिद्धों की निगरानी और संरक्षण-प्रजनन से संबंधित प्रशिक्षण जैसे कार्य भी किए गए हैं। केंद्र का दीर्घकालिक उद्देश्य सुरक्षित और उपयुक्त क्षेत्रों में कैप्टिव-ब्रेड गिद्धों को पुन: जंगल में स्थापित करने के प्रयासों में योगदान देना है।

गिद्ध पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मृत जीवों के अवशेषों को हटाकर वे प्राकृतिक स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करते हैं और जैविक अपशिष्ट के संचय को रोकते हैं। इससे दुर्गंध, प्रदूषण और रोग फैलाने वाले जीवों की वृद्धि को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। साथ ही, वे पोषक तत्वों के प्राकृतिक चक्र को सुचारु बनाए रखने में भी सहायता करते हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र स्वस्थ और संतुलित बना रहता है। उनकी उपस्थिति को स्वस्थ पर्यावरण के संकेतकों में से एक माना जा सकता है।

ब्रिक्सः ग्लोबल साउथ की गूंज मजबूत

भारत की अध्यक्षता में दिल्ली में हुए ब्रिक्स के 18वें शिखर सम्मेलन की गूंज क्या वर्ल्ड ऑर्डर में किसी बड़ी तब्दीली का संकेत दे रही है। सम्मेलन शुरू होने से पहले ही यह माना जा रहा था कि 11 सदस्य देश आपसी साझेदारी-व्यापार-अनुसंधान आदि पर सहमति तक पहुंचेंगे और अमेरिका के वर्चस्व को सीधी चुनौती देने से बचेंगे। लेकिन ब्रिक्स के देश इससे आगे युद्ध और अमेरिका के टैरिफवार के खिलाफकड़ा संदेश देने में सफल रहे। इस सम्मेलन में भारत, चीन, रूस और ईरान ने युद्ध और बढ़ते भू-राजनीतिक दबाव से दुनिया भर में आम लोगों का जीवन तबाह होने और सप्लाई चेन बाधित होने की बात कही। भारत ने मौजूदा वैश्विक संकट की नब्ज पर हाथ

गांधी की नजर में अवैध है, यहूदियों का इजरायल

विवेकानंद

नाजी जर्मनी में यहूदियों के उत्पीड़न से दुखी होकर महात्मा गांधी ने उनके प्रति गहरी मानवीय सहानुभूति व्यक्त की थी। गांधीजी ने ईसाई जगत द्वारा यहूदियों पर किए गए अत्याचारों को ईसाई धर्म के नाम पर कलंक माना था। उन्होंने जर्मनी के यहूदियों को सलाह दी थी कि वे जिस देश के नागरिक हैं, वहीं अहिंसक संघर्ष के माध्यम से अपने अधिकार प्राप्त करें, लेकिन जब यहूदियों ने ब्रिटेन और अमेरिका के समर्थन से फिलिस्तीन में अपना राष्ट्र स्थापित करने का मार्ग अपनाया और इसके लिए अरबों के अधिकारों का दमन शुरू हुआ, तब गांधीजी ने इसका विरोध किया। उनका स्पष्ट मत था कि फिलिस्तीन अरबों का है और यहूदियों द्वारा फिलिस्तीनियों का दमन करना पाप है। गांधीजी ने यहूदियों की स्थिति की तुलना दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों और भारत में दलितों के साथ किए जाने वाले भेदभाव से की थी। उनका विश्वास था कि उत्पीड़ित लोगों को हिंसा के बजाय अहिंसक संघर्ष के माध्यम से अपने अधिकार प्राप्त करने चाहिए। 12 अक्टूबर 1929 को गांधीजी ने कहा था रू हिंदू धर्म में सबसे बड़ी बुराई छूआछूत ही है। पश्चिम के देशों में यहूदियों को अछूत मानने की भावना पाई जाती है। वह ऐसी ही बुराई है। उन लोगों को शहर से बाहर अछूत बस्तियों (घेटों) में रहने के लिए बाध्य किया जाता है। यह दोष हमारे यहां कब आया, इसका इतिहास मुझे मालूम नहीं है। जब तथाकथित उच्च वर्ग के लोगों ने ऐसे लोगों से, जिन्हें वे नीचे दर्जे का समझते थे, अपने आपको अलग रखने की बात सोची, सामाजिक रूप से इसका आरंभ तब से माना जा सकता है। अक्टूबर 1931 में उन्होंने कहा था- श्सामी-विरोधी (यहूदी-विरोधी) प्रवृत्ति वास्तव में बर्बरता का एक अवशेष है। यहूदियों के प्रति इस विरोध की भावना को मैं कभी समझ ही नहीं पाया हूँ। बिना किसी अपराध के यहूदी लोग पहले ही कितनी यातना सह चुके हैं। मुझे तब भी लगा था और अब भी लगता है कि यह सारा प्रपीड़न, उन लोगों के लिए बड़े अपयश की बात है, जिन्होंने चिरकाल से कष्ट सहने वाली इस जाति को ईसाई धर्म के नाम पर यातनाएं दी हैं। 1931 में ज्यूइश क्रॉनिकल को दिए गए साक्षात्कार में गांधीजी ने कहा था- हिन्दुस्तान में हम अपनी बड़ी-से-बड़ी सेवा करने वाले ढेड़, भंगी इत्यादि को, जिन्हें हम अस्पृश्य मानते हैं, गांव के बाहर अलग रखते हैं। गुजराती में उनकी बस्ती को ढेड़वाड़ा कहते हैं। इसी प्रकार यूरोप के ईसाई समाज में यहूदी लोग अस्पृश्य माने जाते थे और उनके लिए जो ढेड़वाड़ा बसाया जाता था, उसे घेटो कहते थे। इसी तरह दक्षिण अफ्रीका में हम हिन्दुस्तानी लोग ढेड़ बन गये हैं। नवंबर 1938 में यहूदी लोग लेख में गांधीजी ने लिखा - यहूदियों से मुझे पूरी सहानुभूति है। वे ईसाई समाज के द्वारा अस्पृश्य माने जाते रहे हैं। उनके प्रति ईसाईयों के व्यवहार और अस्पृश्यों के प्रति हिंदुओं के व्यवहार में बहुत समानता है। दोनों ही समुदायों के साथ किये जाने वाले अमानवीय व्यवहार का औचित्य सिद्ध करने के लिए धर्म की दुहाई दी गई है, लेकिन मेरी सहानुभूति इस बात की ओर से मेरी आँखें बंद नहीं कर सकती कि न्याय के तकाजे क्या हैं। यहूदियों के लिए एक अलग देश की माँग मुझे कोई खास नहीं जंचती। इस माँग का समर्थन बाइबिल के हवाले से और यहूदियों की फिलिस्तीन लौटने की सतत और तीव्र लालसा की चर्चा करके किया जाता है। संसार की अन्य अनेक जातियों की तरह यहूदी भी उसी देश को अपना देश और अपना घर क्यों नहीं बना लेते जहाँ उनका जन्म हुआ और जहां वे जीविकोपार्जन करते हैं? यहूदियों के वतन के रूप में फिलिस्तीन उन्हें पूर्णतरू या अंशतरू वापस मिल जाये, इसके लिए स्वाभिमानी अरबों को तबाह करना निश्चय ही मानवता के विरुद्ध अपराध होगा। गांधीजी ने यहूदियों द्वारा फिलिस्तीन में ब्रिटेन की सैन्य शक्ति के सहारे अपना राष्ट्र स्थापित करने का विरोध किया था। वे लिखते हैं रू मुझे इस बात में तनिक भी संदेह नहीं है कि जो रास्ता यहूदियों ने अपनाया है, वह गलत है। लेकिन अगर उन्हें भौगोलिक फिलिस्तीन को अपना देश मानना ही है, उसे स्वदेश के रूप मे देखना ही है, तो ब्रिटेन की संगीनों की छाया में उसमें प्रवेश करना तो उनका बिलकुल गलत तरीका है। कोई धर्मकार्य संगीनों और बमों के बल पर कैसे किया जा सकता है? वे फिलिस्तीन में अरबों की सद्भावना के सहारे ही बस सकते हैं। उन्हें अरबों का हृदय परिवर्तन करने की कोशिश करनी चाहिए। जो ईश्वर यहूदियों के हृदय का नियामक है वही अरबों के हृदय का भी है। अरबों को समझाने के हजार रास्ते हैं, बशर्ते कि यहूदी ब्रिटेन की संगीनों का सहारा लेना छोड़ दें, लेकिन अभी तो वे उन लोगों को तबाह करने में ब्रिटेन के साझीदार बने हुए हैं जिन्होंने उनका कुछ नहीं बिगाडा। गांधीजी का विश्वास था कि यहूदियों के लिए अहिंसा ही न्यायपूर्ण और नैतिक मार्ग हो सकता है, यदि वे अहिंसा के उस अद्वितीय अस्त्र को अपना लें, जिसके उपयोग की शिक्षा उनके श्रेष्ठतम पैगम्बरों ने दी है और जो खुशी-खुशी काँटों का ताज पहनने वाले यहूदी ईसा कराहती मानवता को विरासत में दे गये हैं तो उनका पक्ष दुनिया का पक्ष बन जायेगा और मुझे इसमें कोई संदेह नहीं कि यहूदियों ने विश्व को जो अनेक चीजें दी हैं, यह उन सबसे श्रेष्ठ और उज्ज्वल होगी। महात्मा गांधी के इन विचारों में यहूदियों की

यूपी में सरकार ने कानपुर-अयोध्या समेत कई जिलों में बदले एसडीएम-सीआरओ

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने शनिवार को प्रशासनिक व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) अधिकारियों के बड़े स्तर पर तबादले किए हैं। नई तैनाती सूची में कई जिलों के अपर जिलाधिकारी (एसडीएम), मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) और नगर निगमों के अपर नगर आयुक्त स्तर के अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। तबादला सूची के मुताबिक पीसीएस सौरभ सिंह को एडीएम (सिटी) कानपुर नगर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं पीसीएस दिनेश को एडीएम (सिटी) अयोध्या बनाया गया है। प्रशासनिक फेरबदल में कई अन्य अधिकारियों को भी नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। नई सूची में सौरभ सिंह को कानपुर नगर का एडीएम (सिटी) नियुक्त किया गया है, जबकि दिनेश को अयोध्या में एडीएम (सिटी) की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों अधिकारियों की तैनाती के साथ इन महत्वपूर्ण जिलों में प्रशासनिक स्तर पर बदलाव हुआ है। तबादला सूची के अनुसार पवन कुमार को एडीएम कुशीनगर और आलोक कुमार गुप्ता को एडीएम कासगंज बनाया गया है। वहीं कंचन को एडीएम (न्यायिक) चित्रकूट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा अजय कुमार त्रिपाठी को मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) मऊ नियुक्त किया गया है। भान सिंह को अपर नगर आयुक्त शाहजहांपुर और सूरज कुमार यादव को अपर नगर आयुक्त सहारनपुर की जिम्मेदारी दी गई है। प्रशासनिक फेरबदल के तहत हिमांशु कुमार गुप्ता को बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) का सचिव बनाया गया है। वहीं निधि डोडवाल को यूपी सहकारी चीनी मिल संघ में प्रधान प्रबंधक की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा अरुण कुमार को संयुक्त निदेशक (प्रशासन), मत्स्य, जितेंद्र कटियार को उपनिदेशक (प्रशासन), आयुर्वेदिक निदेशालय लखनऊ और वंदित श्रीवास्तव को उपनिदेशक (प्रशासन), उच्च शिक्षा निदेशालय प्रयागराज के पद पर तैनात किया गया है। योगी सरकार की ओर से किए गए इस प्रशासनिक फेरबदल में पीसीएस अधिकारियों को अलग-अलग जिलों और विभागों में नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। नई तैनातियों के बाद संबंधित जिलों और विभागों में प्रशासनिक कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है।

मलेरिया के तीन और टाइफाइड के 20 मरीज मिले

एजेंसी

सीतापुर। जिला अस्पताल में शुक्रवार को हुई जांच में मलेरिया के तीन मरीज मिले। वहीं, 20 मरीजों में टाइफाइड के लक्षण पाए गए। जांच रिपोर्ट के आधार पर इन मरीजों का उपचार शुरू कर दिया गया है। इधर, जिला अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की भीड़ रही। सुबह आठ बजे से ही पंजीकरण और चिकित्सकों को दिखाने के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। दिनभर में करीब 2965 मरीजों ने ओपीडी में उपचार कराया। परचा बनवाने के बाद सबसे अधिक भीड़ फिजिशियन कक्ष के बाहर रही। फिजिशियन डॉ. अनुपम मिश्रा, डॉ. रचना गौड़ और डॉ. रवि शेखर ने मरीजों की जांच की। कई दिनों से बुखार, कमजोरी और अन्य लक्षणों के साथ पहुंचे मरीजों को चिकित्सकों ने आवश्यक जांच कराने की सलाह दी। पैथोलॉजी में जांच के दौरान तीन मरीजों में मलेरिया की पुष्टि हुई, जबकि 20 मरीजों में टाइफाइड के लक्षण मिले। चिकित्सकों के अनुसार, बुखार लंबे समय तक रहने या दवा लेने के बाद भी राहत न मिलने पर मरीजों को स्वयं दवा लेने के बजाय चिकित्सकीय सलाह लेकर आवश्यक जांच करानी चाहिए। मरीजों ने बताया कि बुखार आने पर पहले गांव में ही चिकित्सक से उपचार कराया था। राहत न मिलने पर जिला अस्पताल पहुंचकर जांच कराई। चिकित्सकों ने मरीजों को समय पर दवा लेने और पर्याप्त आराम करने की सलाह दी। फिजिशियन विभाग के अलावा ईएनटी और हड्डी रोग विभाग में भी मरीजों की काफी भीड़ रही। सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक मरीज चिकित्सकों को दिखाने के लिए कतार में खड़े रहे। अस्पताल प्रशासन के अनुसार ओपीडी में बुखार, जुकाम, खांसी और त्वचा संबंधी रोगों के मरीजों की संख्या अधिक है। सीएमएस डॉ. इंद्र सिंह ने बताया कि जांच में मलेरिया के तीन मरीज मिले हैं।

सार सुर्खियां

31 अपर पुलिस अधिक्षक के तबादले, अखिलेश सिंह उन्नाव से पहुंचे हरदोई

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में शनिलार को कानून-व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तबादलों का सिलसिला जारी है। आईपीएस अधिकारियों के बड़े फेरबदल के बाद अब प्रांतीय पुलिस सेवा (पीपीएस) के अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। शासन ने 31 अपर पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों का स्थानांतरण किया है। जारी सूची के अनुसार सुभाष चन्द्र गंगवार को मुरादाबाद यातायात से पीटीसी मुरादाबाद, अखिलेश सिंह को उन्नाव से हरदोई, मुकेश चन्द्र मिश्रा को बरेली से गोरखपुर और नितेश सिंह को मिर्जापुर से गोंडा भेजा गया है। वहीं राधेश्याम राय अयोध्या, अयोध्या प्रसाद सिंह गोरखपुर (अपराध), योगेन्द्र सिंह-प् मिर्जापुर, सुधीर जयसवाल अयोध्या (यातायात) और पवन गौतम कासगंज के अपर पुलिस अधीक्षक बनाए गए हैं।

ट्रैफिक इंस्पेक्टर के घर समेत तीन जगह चोरी

लखनऊ । राजधानी के जानकीपुरम विस्तार की नहर रोड स्थित नागेश्वरनाथ कॉलोनी में शुक्रवार रात चोरों ने ट्रैफिक इंस्पेक्टर के घर समेत तीन जगह चोरी की। ट्रैफिक इंस्पेक्टर वीरेंद्र कुमार के घर से चोर करीब छह लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर और 60 हजार रुपये नकद ले गए। इसके अलावा बिजली विभाग के ठेकेदार के गोदाम से मजदूर का मोबाइल और हेडफोन चोरी कर लिया। वहीं, एक बंद मकान का ताला तोड़कर चोर अंदर घुसे, लेकिन वहां कुछ नहीं मिला। चोरी की वारदात के बाद सामने आए सीसीटीवी फुटेज में दो चोर दिखाई दे रहे हैं। इनमें एक चोर हेडफोन कान में लगाकर और टोपी पहनकर जाते हुए नजर आया। पुलिस फुटेज के आधार पर दोनों की पहचान और तलाश में जुटी है। नागेश्वरनाथ कॉलोनी निवासी वीरेंद्र कुमार परिवहन विभाग में ट्रैफिक इंस्पेक्टर हैं। वह पत्नी विमला भारती और बेटियों राशी व कृष्टी के साथ रहते हैं। इन दिनों वीरेंद्र कुमार गोरखपुर गए हुए हैं। पत्नी विमला के मुताबिक, शुक्रवार रात करीब 11.30 बजे सभी लोग सो गए थे। रात करीब तीन बजे उनकी नींद खुली। इसके बाद घर में चोरी होने की जानकारी हुई। परिजनों ने सामान देखा तो सोने-चांदी के जेवर और नकदी गायब थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें दो संदिग्ध चोर नजर आए हैं। पुलिस ने मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्लॉट बेचने के नाम पर रुपये ठगने वाला गिरफ्तार

लखनऊ । सरोजनीनगर इलाके में प्लॉट बेचने के नाम पर 49.50 लाख रुपये ठगने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी इंद्रजीत गिरी (58) को बिजनौर पुलिस ने शनिवार को जेल भेज दिया। उसके साथ नामजद दो आरोपियों की तलाश जारी है। उसने जिस महिला के हाथों प्लॉट बेचे थे, वह अब तक लोन की किस्त भर रही है। इस मामले में बदाली खेड़ा की पूनम पाल ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की थी। पूनम ने बताया कि परिचित राम कृपाल वर्मा के जरिए उनकी मुलाकात आशियाना एलडीए कॉलोनी के इंद्रजीत गिरी से हुई थी। इंद्रजीत ने एलडीए कॉलोनी के सेक्टर-जी में दो प्लॉट (संख्या एसएस-887 और एसएस-888) को अपना बताकर बेच दिए थे। इंद्रजीत ने दोनों प्लॉट 24.50-24.50 लाख रुपये में पूनम को बेच दिए। इनकी रजिस्ट्री 15 दिसंबर 2015 को सरोजनीनगर के सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में हुई थी। बाद में जब पूनम ने प्लॉट पर निर्माण शुरू कराया, तो आनंद कुमार गौतम नाम का व्यक्ति वहां पहुंचा। उसने जमीन को अपना बताते हुए पुराने बिक्री दस्तावेज दिखाकर काम रुकवा दिया। इसके बाद पूनम ने सब-रजिस्ट्रार ऑफिस से दस्तावेजों की सर्टिफाइड कॉपी निकलवाई।

लखनऊ-हरदोई हाईवे पर मॉर्निंग वॉक पर निकले छात्र को डंपर ने रौंदा

एजेंसी

लखनऊ। राजधानी में मॉर्निंग वॉक पर निकले 11वीं के छात्र आरिफ(20) को एक अज्ञात डंपर ने रौंद दिया। हादसे में छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस डंपर की तलाश कर रही है। यह घटना शनिवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे लखनऊ-हरदोई राजमार्ग पर मुजासा सुपर नर्सरी के पास हुई। आरिफ अपने घर बड़ी गढ़ी, मलिहाबाद लौट रहा था, तभी हरदोई की ओर से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। डंपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मौके से आरिफ का मोबाइल फोन बरामद किया और उसकी पहचान कर परिजनों को सूचना दी। आरिफ सफा पब्लिक स्कूल मलिहाबाद में 11वीं का छात्र था और नीट की तैयारी भी कर रहा था। वह स्कूल के बाद अपने पिता हनीफ के साथ खेती में भी मदद करता था। आरिफके परिवार में पिता हनीफ माता रेशमा बानो और दो बहनें सबा व सना हैं। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। मलिहाबाद के इंस्पेक्टर सुरेंद्र मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में संजय सिंह को राहत

सीतापुर। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह व तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष प्रत्याशी डॉ. संदीप कुमार शुक्ल के खिलाफ दर्ज आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट सुल्तानपुर ने पुलिस की फाइनल रिपोर्ट स्वीकार कर ली। स्पेशल मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने तत्कालीन उपनिरीक्षक मुकेश पटेल की ओर से दाखिल प्रोटेस्ट अर्जी को खारिज कर दिया। अदालत के आदेश से संजय सिंह समेत अन्य आरोपियों को राहत मिली है। कोतवाली नगर सुल्तानपुर के तत्कालीन उपनिरीक्षक मुकेश कुमार पटेल ने सात मई 2023 की घटना के संबंध में संजय सिंह, तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष पद प्रत्याशी डॉ. संदीप कुमार शुक्ल और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। विवेचना के बाद पुलिस ने अपराध न पाए जाने की रिपोर्ट अदालत में पेश की थी। वर्तमान में अमेठी में तैनात एसआई मुकेश पटेल ने पुलिस की फाइनल रिपोर्ट के खिलाफ प्रोटेस्ट अर्जी दाखिल की थी।

रोटरी क्लबों की पहल, लखनऊ में 24 बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण

एजेंसी

लखनऊ। रोटरी क्लब ऑफ राजधानी एवं रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ एलिगेंस के संयुक्त तत्वावधान में प्रेरणा स्टडी हॉल, गोमती नगर, लखनऊ में एचपीवी टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समय पर टीकाकरण के माध्यम से निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को प्रोत्साहित करना था। टीकाकरण अभियान के दौरान प्रेरणा स्टडी हॉल की 24 बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाई गई। यह टीका एचपीवी से संबंधित बीमारियों, विशेष रूप से सर्वाइकल कैंसर के जोखिम को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निवारक उपाय है। इस अवसर पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की डॉ. शिप्रा नाथ ने छात्राओं के साथ एक संवादात्मक जागरूकता सत्र आयोजित किया। उन्होंने एचपीवी टीकाकरण के महत्व, सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम में इसकी भूमिका तथा समय पर निवारक स्वास्थ्य उपाय अपनाने की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टीकाकरण अभियान को उत्तर प्रदेश टीकाकरण कार्यक्रम का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा टीकाकरण टीम की व्यवस्था में विभागीय सहयोग से शिविर का सुचारू संचालन संभव हो सका। कार्यक्रम डॉ. अजय गुप्ता (एसआईओ), डॉ. बी. एन. यादव (डीआईओ), नसीम (एसटीकसी) तथा डॉ. विनय सिंह (क्ल. कप्) के मार्गदर्शन एवं सहयोग में टीकाकरण टीम द्वारा संपन्न कराया गया। उनके समन्वय और सहयोग से छात्राओं को टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण योगदान मिला।

गणेश चतुर्थी नवरात्रि स्पेशल प्रदर्शनी 2026 का भव्य शुभारंभ'

एजेंसी

लखनऊ। गणेश चतुर्थीध्नवरात्रि स्पेशल के पावन अवसर पर कैसरबाग स्थित सफेद बारादरी में न्यू क्राफ्ट सिल्क इंडिया प्रदर्शनी 2026 का भव्य शुभारंभ किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि नम्रता पाठक पत्नी उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे संकल्प सेवा अभियान के तहत न्यू क्राफ्ट इंडिया परिवार ने विश्व के लोकप्रिय नेता एवं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी केक काटकर धूमधाम से जन्मदिन मनाया गया इस मौके पर अंकुर गुप्ता ,शक्ति बाजपेई फाउंडर,अध्यक्ष रत्नागिरी सेवा संस्थान व शहर के कई गणमान्य नागरिक, और बड़ी संख्या में खरीदार मौजूद रहे। इस प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग अस्सी से अधिक मास्टर बुनकरों द्वारा तैयार किए गए एथनिक और पारंपरिक सिल्क व कॉटन हैंडलूम उत्पादों का शानदार संग्रह प्रदर्शित किया गया है। यहां बनारसी, चंदेरी, कांजीवरम और टसर सिल्क जैसे पारंपरिक वस्त्रों के साथ आधुनिक डिजाइन के आकर्षक परिधान भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा कश्मीरी प्योर क्रेप की साड़ियां, प्योर सिल्क मार्क अफ्रूव्ड साड़ियां तथा कई विशेष हैंडलूम उत्पाद भी प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण बने हुए हैं। प्रदर्शनी में आए आगंतुकों ने यहां उपलब्ध वस्त्रों की गुणवत्ता, डिजाइन और विविधता की सराहना की। पारंपरिक शिल्प और आधुनिक फैशन का सुंदर संगम इस प्रदर्शनी में देखने को मिल रहा है, जो फैशन प्रेमियों और पारंपरिक परिधानों के शौकीनों को खासा आकर्षित कर रहा है। आयोजक मांनस आचार्य और जावेद मकसूद ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य देश के बुनकरों को एक मजबूत मंच प्रदान करना और लोगों को भारतीय सिल्क व हैंडलूम की समृद्ध परंपरा से रूबरू कराना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बुनकरों को अपने उत्पाद सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने का अवसर मिलता है और भारतीय हस्तकरघा उद्योग को भी प्रोत्साहन मिलता है। आयोजकों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे प्रदर्शनी में आकर देश के कुशल बुनकरों के हुनर को देखें और भारतीय सिल्क व हैंडलूम उत्पादों को बढ़ावा दें। यह प्रदर्शनी आगामी दस दिनों तक आम जनता के लिए खुली रहेगी।

राजधानी की सड़कों पर झमाझम बारिश

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कई इलाकों में अचानक झमाझम बारिश शुरू हो गई। हजरतगंज के लालबाग इलाके में करीब 20 मिनट से लगातार बारिश होने से सड़कें सुनसान नजर आईं। अचानक तेज बारिश शुरू होने से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश से बचने के लिए लोग आसपास की दुकानों और सुरक्षित स्थानों पर रुक गए। वहीं, सड़कों पर आवाजाही भी कम हो गई। बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में मौसम सुहाना हो गया है। हालांकि, अचानक हुई बारिश ने लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी। वाहन चालकों को भी बारिश के बीच सावधानी से सफर करना पड़ रहा है। स्थानीय स्तर पर बारिश की वजह से कुछ स्थानों पर यातायात की रफ्तार धीमी होने की भी स्थिति बन सकती है।

विवादित स्थल पर फिर स्थापित की आंबेडकर प्रतिमा, पुलिस ने हटवाई

एजेंसी

लखीमपुर खीरी । कोतवाली क्षेत्र के गांव सरपतहा में जमीन को लेकर चल रहा विवाद बृहस्पतिवार को एक बार फिर गरमा गया। एक पक्ष ने विवादित स्थल पर डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी। जानकारी मिलते ही पुलिस-प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और प्रतिमा को वहां से हटवा दिया। गांव सरपतहा गांव में आबादी की एक जमीन को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद है। इसी वर्ष 15 अप्रैल को भी इसी जमीन पर मेज रखकर प्रतिमा स्थापित करने को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए थे। उस समय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को समझाया था। करीब पांच महीने बाद बृहस्पतिवार को इसी जमीन पर दोबारा प्रतिमा स्थापित किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। पुनई दास पक्ष के लोग विवादित भूमि पर ईंटों की दीवार बनाने के साथ प्रतिमा स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे। जानकारी होने पर तोताराम पक्ष ने विरोध किया। दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही पीआरवी के साथ कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीओ शिवम कुमार और कोतवाल गोपाल नारायण सिंह भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। बाद में एसडीएम यदुवीर सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों से बातचीत की। अधिकारियों ने समझा-बुझाकर स्थिति को शांत कराया और विवादित स्थल पर बिना अनुमति स्थापित की गई प्रतिमा को हटवा दिया। बताया गया कि भूमि संबंधी मामला न्यायालय में विचाराधीन है। प्रशासन ने दोनों पक्षों से कहा कि वे न्यायालय में अपने पक्ष की पैरवी करें और न्यायालय के आदेश का पालन करें। विवाद की जानकारी मिलने पर भीम आर्मी के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों से बातचीत कर माहौल शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस की मौजूदगी में मामला शांत होने के बाद गांव में सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल तैनात रहा। शुक्रवार को एडीशनल एसपी पूर्वी पवन गौतम ने भी पुलिस अधिकारियों के साथ घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी ली। सीओ शिवम कुमार ने बताया कि बिना अनुमति विवादित भूमि पर प्रतिमा स्थापित किए जाने की सूचना मिली थी। पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया गया।

राजधानी के व्यापारियों ने डॉक्टर दिनेश शर्मा का किया स्वागत

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियो ने प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के साथ अंडमान तथा निकोबार दीप समूह के माननीय उपराज्यपाल डॉक्टर दिनेश शर्मा को पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र ओढ़ाकर कर उपराज्यपाल बनने की बधाई दी 19 सितंबर ,शनिवार, अंडमान निकोबार दीप समूह के उपराज्यपाल पद की शपथ लेने के बाद पहली बार लखनऊ आए प्रोफेसर डॉक्टर दिनेश शर्मा का उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियो ने उनके निवास पर स्वागत एवं अभिनंदन किया उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने पदाधिकारियो के साथ पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र पहनाकर डॉक्टर दिनेश शर्मा को उपराज्यपाल बनने की बधाई दी प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश उपाध्यक्ष गुरप्रीत सिंह चड्ढा, नगर महामंत्री राजीव शुक्ला नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमन अग्रवाल मुख्य रूप से शामिल थे।

आप का यूपीआई चार्ज के खिलाफप्रदर्शन

एजेंसी

लखनऊ। राजधानी में शनिवार को आप कार्यकर्ताओं ने यूपीआई पेमेंट पर एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) लगाए जाने के खिलाफ प्रदर्शन किया। कैसरबाग स्वास्थ्य भवन चौराहे से कलेक्ट्रेट का घेराव करने जा रहे प्रदर्शनकरियों को रोककर पुलिस ने हिरासत में लिया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही जिला अध्यक्ष इरम को पुलिस टांगकर ले गई। प्रदर्शनकारी जिला अधिकारी कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे मगर पुलिस ने जाने नहीं दिया। इस दौरान धक्कामुक्की हुई। आप कार्यकर्ताओं ने पुलिस के ऊपर अभद्रता और अधिकारों के हनन का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि लगातार ऐसे निर्णय लिये जा रहे हैं है, जिससे आम जनता परेशान हो रही है और आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इरम ने कहा कि महंगाई की मार से आम जनता पहले ही परेशान है। सरकार हर दिन आम लोगों से पैसे लेने का नया तरीका खोज रही है। गैस, पेट्रोल और डीजल के दामों में बढ़ोतरी के साथ ही राशन और चीनी की कीमतों में इजाफे से लोगों का बजट बिगड़ा हुआ है। आमदनी घटती जा रही है महंगाई बढ़ती जा रही है मगर सरकार को आम जनता का दर्द नजर नहीं आ रहा है। मांग है कि डीआरडी को तत्काल वापस लिया जाए। व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मनोज मिश्रा ने कहा कि ये सरकार पूरे देश में मात्र 43 व्यापारियों कि है। सत्ता में बैठे हुए लोग आम व्यापारी के बारे में नहीं सोचते हैं। अब ऑनलाइन पेमेंट पर चार्ज लगाने की बात से व्यापारियों की परेशानी और बढ़ जाएगी। यूपीआई के जरिए होने वाले डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल आम लोगों और छोटे व्यापारियों के बीच बड़े स्तर पर होता है। ऐसे में डीआरडी का बोझ व्यापारियों के लिए नई मुसीबत है। हम लोग इस मुद्दे को लेकर सड़क से सदन तक संघर्ष करेंगे।

आग से झुलसी किशोरी ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

सीतापुर। गोपलापुर गांव में रविवार को आग में झुलसी 17 वर्षीय काजल ने शुक्रवार को लखनऊ में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में उसकी मां गौरी (40) और भाई कृष्णा (10) की पहले ही मौत हो चुकी है। काजल की मौत से परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद शव गांव लाया जा रहा है। यहां अंतिम संस्कार किया जाएगा। गोपलापुर निवासी कमलेश मौर्य रविवार सुबह करीब छह बजे अपने एक बेटे के साथ घर के बाहर दुकान लगाने में व्यस्त थे। उनकी पत्नी गौरी घर के अंदर चाय बना रही थीं। बेटी काजल नहाने के लिए जा रही थी, जबकि बेटा कृष्णा सो रहा था। इसी दौरान घर के बाहर लगे बिजली के मीटर में अचानक धमाका हो गया। मीटर में हुए धमाके के बाद बिजली के तारों से आग घर के अंदर पहुंच गई। एक कमरे में भूसा रखा था। वहीं डीजल और पेट्रोल की कैन भी रखी थीं। ज्वलनशील पदार्थों के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। कमरे में सो रहे कृष्णा की आग की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। बेटे को बचाने के प्रयास में गौरी और काजल भी गंभीर रूप से झुलस गईं। हादसे के बाद दोनों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। गंभीर हालत को देखते हुए गौरी को रविवार को ही लखनऊ रेफर किया गया था, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई।

चलती स्कूल बस में लगी आग, 5 साल का बच्चा झुलसा

लखनऊ। इटौंजा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब 7.30 बजे स्कूल बस के इंजन में आग लग गई। बस में करीब 25 बच्चे सवार थे। घटना में 5 साल का एक बच्चा झुलस गया। यह फोर्स ट्रैवलर बस (यूपी 81 बीटी 6203) जमखानवा गांव से बच्चों को शार्प ग्लोबल स्कूल, मानपुर इटौंजा ले जा रही थी। बगहा पुरवा के पास अचानक बस के इंजन में आग लग गई। इससे बस में अफरा-तफरी मच गई। बस से उतरते समय बच्चे का हाथ गर्म बोनट से छू गया। इससे उसका हाथ झुलस गया। उसे तुरंत इटौंजा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। इलाज के बाद परिजन बच्चे को घर ले गए। बस में सवार बाकी सभी बच्चे सुरक्षित हैं। किसी अन्य बच्चे के घायल होने की सूचना नहीं है। इंजन में लगी आग को मौके पर ही बुझा दिया गया। पुलिस के मुताबिक, मौके पर स्थिति सामान्य है।

आईएईए के प्रस्ताव पर भड़का उत्तर कोरिया: किम जोंग उन की बहन बोलीं- परमाणु ताकत नहीं घटेगी

एजेंसी

सिओल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था के हालिया प्रस्ताव को खारिज कर दिया। यह प्रस्ताव उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ था। किम यो-जोंग ने कहा कि उत्तर कोरिया अपनी परमाणु क्षमता की विश्वसनीयता बनाए रखेगा। उन्होंने अमेरिका और दूसरे देशों से मिल रहे परमाणु खतरों के बीच यह बात कही। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने गुरुवार को वियना में अपने 70वें आम सम्मेलन में यह प्रस्ताव मंजूर किया था। इस प्रस्ताव में फिर कहा गया कि परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के तहत उत्तर कोरिया को परमाणु हथियार रखने वाले देश का दर्जा नहीं मिल सकता। प्रस्ताव में प्योंगयांग से परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी सभी गतिविधियां तुरंत बंद करने को भी कहा गया था। किम यो-जोंग ने कहा, आईएईए ने जबरन उत्तर कोरिया के खिलाफ एक 'प्रस्ताव' मंजूर किया है। इसमें हमारे देश की आत्मरक्षा और वैध परमाणु गतिविधियों पर सवाल उठाया गया है। वहीं, इस गंभीर वास्तविकता को नजरअंदाज किया गया है कि हमारा सुरक्षा वातावरण लगातार बाहरी परमाणु खतरों के संपर्क में है। दो दिन पहले किम यो-जोंग ने कहा था कि परमाणु हथियार रखने वाले देश के रूप में उत्तर कोरिया का दर्जा 'पूर्ण' है। उन्होंने कहा था कि इसे बदला नहीं जा सकता। किम यो-जोंग ने आईएईए की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि आईएईए ने यूरोप में अमेरिका की ओर से परमाणु हथियारों की तैनाती और उन्हें साझा करने को लेकर कोई चिंता नहीं जताई।

उन्होंने अमेरिका की दक्षिण कोरिया और जापान के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा के लिए परमाणु हथियारों समेत अपनी सैन्य ताकत के इस्तेमाल की बात करता है।

आईएईए पर लगाया दोहरे मापदंड का आरोप

किम ने कहा, यह एक और ऐसा उदाहरण है, जो एजेंसी के बेहद दोहरे मापदंड और पक्षपात को साफ तौर पर सामने लाता है। किम ने आईएईए पर अमेरिका के हितों के लिए काम करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि आईएईए के पास उत्तर कोरिया की परमाणु गतिविधियों में दखल देने का अधिकार नहीं है। किम ने अमेरिका के परमाणु हथियारों के तेजी से बढ़ते भंडार, खुले तौर पर परमाणु प्रसार और आईएईए के दोहरे मापदंड का जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति उत्तर कोरिया को और ज्यादा जिम्मेदार विकल्प चुनने के लिए मजबूर करती है। उधर, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने अपने देश की तोपखाने की ताकत को 'सबसे केंद्रित और सबसे ज्यादा विनाशकारी' बनाने की बात कही है। उन्होंने इस ताकत को और मजबूत करने का आह्वान किया।

एआई की वजह से शुरू होने वाला था यूएस-चीन युद्ध, एक सैनिक की गलती ला सकती थी

एजेंसी

एआई के खतरे को लेकर कई विशेषज्ञ चिंता जता चुके हैं। बीते दिनों कुछ ऐसा घटित हुआ है, जिसके बाद एआई के लेकर जताई जा रही चिंता सच साबित होती दिख रही है। दरअसल कुछ समय पहले एआई की वजह से दुनिया के दो सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका और चीन में टकराव होते-होते बच गया। सीएनएन की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई की एक रिपोर्ट के आधार पर अमेरिका के सैनिक चीन के एक जहाज पर सवार होने ही वाले थे, लेकिन ऐन वक्त पर हालात काबू हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल की शुरुआत में अमेरिकी सेना को एक खुफिया रिपोर्ट मिली थी, जिसमें बताया गया था कि पश्चिम एशिया में मौजूद चीन के एक जहाज पर परमाणु हथियार से जुड़े उपकरण मौजूद हैं। इस रिपोर्ट के आधार पर अमेरिकी सेना, चीन के उस जहाज पर जबरन सवार होकर उसकी तलाशी लेने की तैयारी कर रही थी। हालांकि उससे पहले ही खुलासा हो गया कि जिस सैनिक ने यह रिपोर्ट तैयार की थी, उसने रिपोर्ट बनाने में एआई चैटबॉट की मदद ली थी। इसके बाद अमेरिकी सेना ने अपने ऑपरेशन को टाल दिया और दोनों देशों के बीच होने वाला टकराव टल गया। सीएनएन ने अमेरिकी सेना के सूत्रों के हवाले से बताया कि खुफिया रिपोर्ट पूरी तरह से गलत और झूठी थी और इसकी वजह से युद्ध शुरू हो सकता था। हालांकि सीएनएन की रिपोर्ट में ये नहीं बताया गया है कि चीन के जहाज पर क्या था और वह कहां जा रहा था। पश्चिम एशिया की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने रिपोर्ट में किए गए दावे पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

एंथ्रोपिक के ही एक अन्य कर्मचारी ने भी सार्वजनिक रूप से कहा था कि कंपनी के लोग ईमानदारी से मानते हैं कि एआई सभी इंसानों को मार सकता है। उन्होंने यह भी कहा था कि अगले दशक के भीतर ऐसा होने की आशंका 10 प्रतिशत से ज्यादा है। इन चेतावनियों के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कई अन्य लोगों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास पर कड़े प्रतिबंध लगाने का विरोध किया है।

नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार हत्या-दंगा मामलों में गिरफ्तार, अदालत में होगी पेशी

एजेंसी

कोलकाता पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम में 2007 में जमीन अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के दौरान दंगा, हत्या और आपराधिक धमकी से जुड़े कम से कम चार मामलों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार मिलन प्रधान को शनिवार को अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस ने यह जानकारी दी। प्रधान नंदीग्राम सीट पर उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार हैं। पार्टी ने प्रधान की गिरफ्तारी के विरोध में कोलकाता में एक रैली आयोजित करने का फैसला किया है। प्रधान को शुक्रवार शाम पश्चिम बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले के चांदीपुर स्थित एक होटल से पार्टी के एक अन्य नेता सुभाशीष भट्टाचार्य के साथ गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने भट्टाचार्य को इसलिए गिरफ्तार किया था, क्योंकि उनपर प्रधान की गिरफ्तारी में बाधा डालने का आरोप है। अधिकारी ने बताया, प्रधान को 2007 में दर्ज चार मामलों के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था... ये मामले दंगा, हत्या और आपराधिक धमकी से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, इनमें तीन नंदीग्राम और एक खेजुरी थाने में दर्ज मामले शामिल हैं... ये मामले भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत दर्ज किए गए थे। उन्हें आज हल्दिया के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा। पश्चिम बंगाल पुलिस ने शनिवार को कहा कि प्रधान फरार थे और उन्हें काफी समय से लंबित चार गैर-जमानती वारंट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। राज्य पुलिस ने एक बयान में कहा, गिरफ्तार व्यक्ति के खिलाफ दर्ज मामलों में हत्या, हत्या की कोशिश, हत्या के इरादे से अपहरण, सबूत मिटाना, घर में जबरन घुसना और घातक हथियारों का इस्तेमाल कर दंगा करने जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। कुछ मामलों में शस्त्र अधिनियम के प्रावधान भी लगाए गए हैं। पुलिस ने कहा, प्रधान 2007 से फरार थे और इन मामलों में उन्हें फरार घोषित करते हुए आरोप-पत्र दायर किया गया था। वारंट तामील करने के संबंध में पूर्व में बार-बार किए गए प्रयास विफल रहने और समय-समय पर अदालतों में वारंट तामील नहीं होने की रिपोर्ट दी जाती रही है। पुलिस ने बताया कि यह गिरफ्तारी काफी समय से लंबित गैर-जमानती वारंट को तामील कराने के लिए चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान की गई। पुलिस के अनुसार, चुनाव और उपचुनाव के दौरान भारत निर्वाचन आयोग की ओर से इस तरह की कार्रवाई के लिए स्थायी निर्देश जारी होते हैं।

सऊदी अरब और हूतियों में बढ़ा तनाव: रियाद में फिर सुनी गई धमाकों की आवाज

एजेंसी

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में शनिवार तड़के धमाकों की आवाज़ें सुनी गईं। स्थानीय लोगों को मोबाइल ऐप के जरिए हवाई सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले। बाद में सऊदी नागरिक सुरक्षा निदेशालय ने एक्स पर एक बयान जारी कर कहा कि रियाद और अल-खर्ज में खतरा टल गया है। साथ ही, लोगों से अपील की गई कि वे निर्देशों का पालन करते रहें और भीड़ न लगाएं या वीडियो न बनाएं। वहीं, यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को कहा कि सऊदी अरब ने पिछले 24 घंटों में उनके कब्जे वाले इलाकों पर 26 हमले किए हैं। ईरान-समर्थित इस गुट और यमन की रियाद-समर्थित सरकार के बीच देश में फिर से गृहयुद्ध छिड़ गया है। गुट ने कहा कि पिछले हफ्ते उनके ठिकानों पर सऊदी हमलों की संख्या 300 तक पहुंच गई है और इन हमलों में हूती-नियंत्रित यमन के कई इलाकों को निशाना बनाया गया। इससे पहले चेतावनी दी गई थी, 'अल-खर्ज गवर्नरेट में आपातकालीन स्थितियों के लिए राष्ट्रीय प्रारंभिक चेतावनी मंच ने खतरे की चेतावनी देने के लिए एक अलर्ट जारी किया है।' सऊदी सिविल डिफेंस ने बताया कि गुरुवार को पश्चिमी सऊदी अरब के ताइफ में हूती समूह के एक ड्रोन का मलबा गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इस ड्रोन को बीच में ही रोककर नष्ट कर दिया गया था।

दोनों के बीच बढ़ तनाव

सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच पिछले कुछ दिनों में तनाव तेजी से बढ़ा है। हूतियों ने सऊदी शहरों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनमें कई लोगों के घायल होने और घरों-वाहनों को नुकसान की खबर है। वहीं, सऊदी अरब ने भी यमन में हूती ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। इसके साथ ही सऊदी का दावा है कि मक्का की ओर बढ़ रहे एक ड्रोन को भी मार गिराया गया, हालांकि हूतियों ने मक्का को निशाना बनाने से इनकार किया है। अब इस संघर्ष का असर सऊदी की अहम ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन पर भी पड़ा है। सऊदी अरब की तेल कंपनी अरामको ने कम से कम दो यूरोपीय रिफाइनिंग ग्राहकों को बताया है कि उन्हें अगले महीने यानी अक्तूबर में कच्चे तेल की डिलीवरी नहीं मिलेगी। यूरोपीय रिफाइनर आम तौर पर अरामको से दीर्घकालिक अनुबंध के तहत हर महीने सऊदी कच्चा तेल खरीदते हैं, लेकिन इस बार अक्तूबर की डिलीवरी रोक दी गई है।

पाइपलाइन पर हमले का क्या असर हुआ

यह फैसला सऊदी अरब की अहम ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन पर ड्रोन हमले के बाद आया है। हमले के कारण पाइपलाइन को बंद करना पड़ा और तीन पंपिंग स्टेशन क्षतिग्रस्त हुए। इसके चलते लाल सागर के तट पर स्थित यानबू बंदरगाह से तेल की लोडिंग भी प्रभावित हुई। सऊदी अरब ने पहले ही यूरोपीय ग्राहकों को कुछ कच्चे तेल की खेप रद्द होने की जानकारी दी थी। यह युद्ध 2014 में हूती विद्रोहियों द्वारा राजधानी सना पर कब्जा करने के साथ शुरू हुआ था। 2022 से यह युद्ध काफी हद तक रुका हुआ था, लेकिन जुलाई में यह फिर से भड़क उठा। सऊदी अरब 2015 से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करने वाले गठबंधन का नेतृत्व कर रहा है। उसके दखल से युद्ध और तेज हो गया, जिससे इस गरीब देश में दुनिया के सबसे बुरे मानवीय संकटों में से एक पैदा हो गया है।

रूहेलखंड

800 करोड़ की ठगी में शशिकांत व सूर्यकांत के खिलाफ जुलाई में दर्ज केस में चार्जशीट दाखिल

एजेंसी

बदायूं। अमर ज्योति यूनिवर्स निधि लिमिटेड सहित पांच चिटफंड कंपनियां खोलकर बरेली, बदायूं, पीलीभीत सहित अन्य जिलों में करीब आठ सौ करोड़ की ठगी करने के मामले में पूर्व भाजपा नेता शशिकांत व सूर्यकांत (सगे भाई) के विरुद्ध विवेचना पूरी कर जुलाई में दर्ज केस में आरोपपत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया गया है। दोनों को सात सितंबर को एसटीएफ नोएडा यूनिट और कोतवाली पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में लखनऊ के आलमबाग स्थित एक फ्लैट से गिरफ्तार किया गया था, तब से दोनों जेल में बंद हैं। अमर ज्योति प्रकरण में पुलिस की कार्रवाई शशिकांत मौर्य और सूर्यकांत तक सीमित नहीं है, इनके तीसरे भाई श्रीकांत मौर्य, सूर्यकांत की पत्नी अर्चना मौर्य और बेटे विशुकांत की तलाश कर रही है। इनके अलावा कंपनी के एजेंटों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। बरेली और बदायूं समेत अन्य कई स्थानों पर आरोपियों से जुड़ी संपत्तियों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस के अनुसार, अमर ज्योति यूनिवर्स निधि लिमिटेड समेत अलग-अलग नामों से संचालित चिटफंड कंपनियों के जरिये लोगों से दोगुनी रकम का लालच देकर निवेश कराया था। निवेशकों को रकम पर बेहतर रिटर्न और तय अवधि में धनराशि बढ़ाकर वापस करने का भरोसा दिया जाता था। बड़ी संख्या में लोगों से रकम जमा कराने के बाद कंपनी बंद कर दी गई और संचालक फरार हो गए। मामले में बदायूं में दर्ज पांच मामलों के अलावा बरेली में भी चार मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों की गिरफ्तारी के दौरान उनके कब्जे से लैपटॉप, डायरी और अन्य उपकरण भी बरामद किए थे। जुलाई माह में दर्ज हुए मामले में चार्जशीट दाखिल की गई है।

चीनी मिलें चलने से पूर्व जरूर देखें अपना गन्ना सट्टा

पीलीभीत। चीनी मिलों का पेराई सत्र शुरू होने से पहले गन्ना किसानों को अपना सर्वे और सट्टा जांचने का मौका देने के लिए सहकारी गन्ना विकास समिति पीलीभीत में समिति स्तरीय सट्टा प्रदर्शन मेले का आयोजन किया गया। शुक्रवार को गन्ना विकास एवं चीनी मिल राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने मेले का शुभारंभ किया। उन्होंने किसानों से अपील की कि चीनी मिलें चलने से पहले सभी किसान अपना सर्वे और सट्टा जरूर देख लें, ताकि किसी तरह की त्रुटि होने पर समय रहते उसका सुधार कराया जा सके। राज्यमंत्री ने कहा कि मेले में नए सदस्य बनाने और उपज बढ़ोतरी की रसीद काटने के लिए अलग काउंटर बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों को समिति स्तर पर सम्मानित करने के लिए पूरे प्रदेश में गन्ना कृषक सम्मान योजना लागू की गई है।

गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान नहर में डूबा युवक, दूसरे दिन भी नहीं लगा सुराग

एजेंसी

पीलीभीत। जिले की हरदोई ब्रांच नहर में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान डूबे माधोटांडा के वार्ड नंबर सात निवासी संगम (18) पुत्र त्रिवेणी शर्मा का दूसरे दिन शनिवार को भी कोई सुराग नहीं लग सका। पुलिस, एनडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों ने तीन मोटरबोट की मदद से करीब चार किलोमीटर के दायरे में नहर में खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिली। उधर, युवक के नहर में डूबने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। संगम के लापता होने से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। शुक्रवार को गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान कलीनगर पुल के निकट हरदोई ब्रांच नहर में संगम गहरे पानी में चला गया था। साथियों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह पानी में समा गया। सूचना पर पहुंची माधोटांडा पुलिस ने एनडीआरएफ की टीम को बुलाकर तलाश शुरू कराई थी। देर शाम तक खोजबीन के बावजूद युवक का पता नहीं चल सका। शनिवार को भी बचाव दल ने नहर के करीब चार किलोमीटर क्षेत्र में तीन मोटरबोट के जरिए तलाश अभियान चलाया। स्थानीय गोताखोरों ने भी नहर में खोजबीन की। हादसे की जानकारी मिलने के बाद नहर पुल और आसपास लोगों की भीड़ जुटी रही। परिजन लगातार संगम की तलाश और बचाव अभियान की जानकारी लेते रहे। सीओ विधि भूषण मौर्य ने भी मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई और बचाव अभियान को प्रभावी करने के निर्देश दिए।

टैंक गिरने से मसाला डोसा की दुकान पर काम करने वाले मजदूर की मौत

एजेंसी

बदायूं। रेलवे स्टेशन रोड स्थित मैकूलाल पुलिस चौकी के पास बृहस्पतिवार देर रात मसाला डोसा की दुकान पर काम कर रहे मजदूर की पानी से भरे टैंक से दबकर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 500 लीटर का ये टैंक नगर पालिका के प्याऊ पर रखा हुआ था, जो तेज हवा के झोंके में गिर गया। हादसे के बाद दुकान पर मौजूद लोगों में अफरातफरी मच गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के माल गोदाम रोड निवासी राकेश (25) पुत्र राजेश रेलवे स्टेशन रोड स्थित मसाला डोसा की दुकान पर बर्तन धोने का काम पिछले डेढ़ माह से करते आ रहे थे। रोज की तरह बृहस्पतिवार को भी वह दुकान पर काम करने आए थे। डोसे की दुकान के पास ही नगर पालिका के प्याऊ की टंकी लगी हुई है। टंकी के पास ही राकेश बर्तन धो रहे थे।

प्याऊ की टंकी के ऊपर रखा पानी से भरा टैंक हवा के झोंके में उनके ऊपर गिरा गया। टैंक के गिरने से वह उसी के नीचे दब गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दुकान पर मौजूद लोगों ने बड़ी मशक्कत से टैंक को हटाया और राकेश को निकाला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। सीओ सिटी एएसपी सुमेध मिलिंद जाधव ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। परिजनों की ओर से कार्रवाई के लिए अभी कोई शिकायत नहीं की गई है।

छत पर गई महिला की बंदरों के हमले में नीचे गिरने से मौत

वजीरगंज। वजीरगंज थाना क्षेत्र के गांव पलई में शुक्रवार देर शाम घर की छत पर कपड़े उतारने गई महिला पर बंदरों के झुंड ने हमला कर दिया। बंदरों के हमले से घबराकर महिला छत से नीचे गिर गई। गिरने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। थाना क्षेत्र के गांव पलई निवासी बताशो देवी (46) पत्नी राजपाल सिंह शुक्रवार देर शाम को घर की छत पर सूख रहे कपड़े उतारने गई थीं। इसी दौरान छत पर अचानक बंदरों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। बंदरों से बचने के प्रयास में महिला अपना संतुलन खो बैठीं और छत से नीचे जा गिरीं। छत से गिरने के कारण महिला को गंभीर चोटें आईं। परिजन आनन-फानन में उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उनको मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सीओ बिसौली अंशुमन श्रीवास्तव ने बताया कि परिजनों ने पुलिस को सूचना नहीं दी है।

साफ पानी का जमाव, डेंगू का लार्वा पनपने का खतरा

एजेंसी

पीलीभीत। जिला अस्पताल परिसर में बारिश से जगह-जगह पानी का जमाव है। इससे डेंगू का लार्वा पनपने का खतरा बना हुआ है। इससे निपटने के लिए व्यवस्था भी ठंडी दिख रही है, जबकि सितंबर व अक्तूबर माह में इसका खतरा और भी बढ़ जाता है। ऐसे में यहां शुक्रवार को पड़ताल की गई तो ये कमियां सामने आईं। बता दें कि भले ही सितंबर माह में 7-8 मरीज जिले में डेंगू से पीड़ित पाए गए हैं, लेकिन आगामी माह में डेंगू जैसी बीमारी को लेकर बिल्कुल भी निगरानी नहीं की जा रही है।

जिन पर सबसे ज्यादा निगरानी की जिम्मेदारी हो, वहीं लापरवाह बने हुए हैं। इन दिनों जिला अस्पताल में कई जगह साफ पानी का जमाव में डेंगू का लार्वा पनपने का खतरा बना हुआ है। अस्पताल परिसर से लेकर एमसीएच विंग में पानी के डस्टबिन, कूलर, गमले आदि में साफ पानी का लगातार जमाव पर किसी की नजर नहीं जा रही है, जिसमें कभी भी डेंगू का लार्वा पनप सकता है। जिला अस्पताल के श्वास रोग विभाग के रखे तीन डस्टबिन में लंबे समय तक पानी के जमाव से बुरी तरह से मच्छर हो गए थे।

जिला महिला अस्पताल में वार्ड के पीछे से गुजर रहा एक पाइप से पानी लगातार टपकता देखा गया, लेकिन जहां पानी गिर रहा था। निकासी के चलते वहां उसका जमाव भी था, जहां भी लार्वा बढ़ने का खतरा बना हुआ था। वहीं, एमसीएच विंग में खराब पड़े एक एसी के एग्जॉस्ट फैन में लंबे समय से पानी का जमाव देखा गया। जिला अस्पताल में जहां हर रोज 2-3 हजार मरीजों व आम लोगों का आवागमन रहता है। वहां गंदगी व साफ-सफाई को लेकर किसी तरह की कोई सतर्कता नहीं दिख रही है। यहां मलेरिया विभाग संचारी रोग के मौसम में जगह-जगह एंटी लार्वा छिड़काव व लार्वा नष्ट करने की कार्रवाई करता है।

22 साल बाद मिला न्याय, हादसे में दोषी चालक को एक साल की सजा

पीलीभीत। न्यायिक मजिस्ट्रेट बीसलपुर दुष्यंत कुमार शर्मा ने लापरवाही से ट्रक हादसे में जान गंवाने वाले व्यक्ति की मौत के 22 वर्ष पुराने मामले में गांव ढकिया निवासी आरोपी चालक सलीम को दोषी करार करते हुए एक साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 2500 रुपये के जुर्माना भी लगाया है। वादी मुकदमा वालादीन ने थाना बीसलपुर में 16 जनवरी 2004 को रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह और उसका भाई मुनेश कुमार 16 जनवरी 2004 को खेत पर जा रहे थे। तभी शिशु विहार बिलसंडा नहर के पास पहुंचे। तभी पीछे से एक ट्रक ड्राइवर अपने ट्रक को तेजी और लापरवाही से चलाते हुए लाया और वादी के भाई मुनेश कुमार को टक्कर मार दी। मुनेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक ड्राइवर को पकड़ने की काफी कोशिश की, लेकिन वह मौके से भाग गया। पुलिस ने मामले में विवेचना के बाद आरोप पत्र चालक सलीम के विरुद्ध न्यायालय में दाखिल किया। मामले की सुनवाई के बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट बीसलपुर ने आरोपी सलीम को दोषी पाते हुए सजा सुनाई।

राष्ट्रीय टीम में अंदरूनी कलह!

रोहित शर्मा के समर्थन के बाद बीसीसीआई से क्यों खफा हुए अजीत अगरकर

एजेंसी

नई दिल्ली। अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप से पहले नया चयनकर्ता चुना जाएगा। बताया जा रहा है कि अजीत अगरकर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को बता दिया है कि वह आगे पद पर नहीं बने रहना चाहते हैं। अगरकर का कार्यकाल अगले महीने की शुरुआत में खत्म हो

समीक्षा बैठक से नदारद रहने पर उठे सवाल

अगरकर के जाने की पटकथा उस समय लगभग लिखी जा चुकी थी, जब इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन की समीक्षा के लिए मुंबई में बुलाई गई अहम बैठक से उन्होंने दूरी बना ली। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने भले ही उनका बचाव किया, लेकिन बोर्ड के भीतर एक वर्ग का मानना था कि इतनी महत्वपूर्ण बैठक में चयन समिति के अध्यक्ष की मौजूदगी जरूरी थी। अगरकर विश्व कप तक पद पर बने रहने के इच्छुक थे, लेकिन पिछले एक महीने में बीसीसीआई की ओर से लगातार ऐसे संकेत मिल रहे थे कि बोर्ड अब चयन समिति में नए चेहरे की तलाश कर रहा है। आम तौर पर बोर्ड ऐसे चयनकर्ता को इतनी आसानी से नहीं हटाता, जिसकी अगुआई वाली समिति ने पिछले तीन वर्षों में सीमित ओवरों की चार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली टीमें चुनी हों और उनमें से तीन में खिताब भी जीते हों। भारत ने इस दौरान दो टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं, 2023 वनडे विश्व कप की टीम भी अगरकर ने चुनी थी जो उपविजेता रही थी।

बीसीसीआई की कौन सी बात अगरकर को चुभी?

अगरकर और बीसीसीआई के बीच रिश्तों में असली दरार रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर पैदा हुई। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से ठीक पहले तत्कालीन चयन समिति ने टीम प्रबंधन और बीसीसीआई के शीर्ष पदाधिकारियों के साथ मिलकर लॉड्र्स वनडे के बाद रोहित को वनडे टीम से आगे बढ़ने का संकेत देने का फैसला किया था। यह फैसला सामूहिक था और रोहित तक बात पहुंचाने की जिम्मेदारी दक्षिण क्षेत्र के चयनकर्ता प्रज्ञान ओझा को दी गई, जो रोहित के करीबी मित्रों में माने जाते हैं। रोहित 2027 वनडे विश्व कप खेलना चाहते हैं और उन्हें यह संदेश पसंद नहीं आया। उन्होंने एक प्रभावशाली बोर्ड पदाधिकारी से बात कर चयन समिति के अध्यक्ष के रवैये पर अपनी नाराजगी जाहिर की। मामला तब और पेचीदा हो गया, जब बीसीसीआई ने लॉड्र्स वनडे के बाद रोहित के संन्यास की अटकलों को खारिज करते हुए सार्वजनिक बयान जारी कर दिया। अगरकर के करीबी लोगों के मुताबिक, वह इस घटनाक्रम से आहत और नाराज थे। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि अगरकर को इस बयान की पहले से जानकारी तक नहीं थी।

हार्दिक पांड्या अभी 10 ओवर नहीं फेंक सकते

गौतम गंभीर ने टीम इंडिया में वापसी पर दिया बड़ा बयान

एजेंसी

गुरुवार को अफ़गानिस्तान के ख़िलाफ़ T20I सीरीज़ में 3-0 से क्लीन स्वीप करने के बाद, भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने नीतीश कुमार रेड्डी के सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर के तौर पर विकास का समर्थन किया और कहा कि हार्दिक पांड्या को इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी से पहले मैच खेलने की ज़रूरत होगी। भारत ने नई दिल्ली में खेले गए तीसरे और आखिरी मैच में 127 रनों की शानदार जीत के साथ अफ़गानिस्तान के ख़िलाफ़ T20I सीरीज़ में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। अभिषेक शर्मा ने 34 गेंदों पर रिकॉर्ड-तोड़ 108 रन बनाए, जिससे भारत ने 221/7 का स्कोर खड़ा किया। इसके बाद रवि बिश्नोई और रेड्डी ने तीन-तीन विकेट लेकर अफ़गानिस्तान को 94 रन पर ऑलआउट कर दिया। यह T20I में अफ़गानिस्तान की सबसे बड़ी हार थी और इस फ़ॉर्मेट में भारत के ख़िलाफ़ उनका सबसे कम स्कोर भी। मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने कहा कि ञ्20 फ़ॉर्मेट से नीतीश के हटने से उन्हें वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ ज़्यादा खेलने का मौका मिलेगा। उन्होंने 2027 के वनडे वर्ल्ड कप और भारत के साउथ अफ़्रीका दौरे से पहले सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर तैयार करने की अहमियत पर ज़ोर दिया।

वहीं, रेड्डी को पहले एशियन गेम्स के लिए 15 सदस्यों वाली क्रिकेट टीम में शामिल किया गया था, लेकिन अब उन्हें हटा दिया गया है और उनकी जगह वे वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ भारत की वनडे सीरीज़ में खेलेंगे। मैच के बाद हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने कहा कि नीतीश के नज़रिए से यह बहुत अच्छी बात है कि उन्हें T20 फ़ॉर्मेट से हटा दिया गया है और उन्हें वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ भी खेलने का मौका मिलेगा। हम जानते हैं कि एक साल बाद और जब हम साउथ अफ़्रीका जाएंगे, तो एक सीम-बॉलिंग ऑल-राउंडर कितना अहम होगा। और जब हार्दिक वापस आएंगे, तो ज़ाहिर है कि यह अच्छा ही होगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत शायद नीतीश और हार्दिक दोनों को एक ही प्लेइंग XI में खिला सकता है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि पांड्या अभी 10 ओवर नहीं डाल सकते और IPL के बाद से उन्होंने ज़्यादा क्रिकेट नहीं खेला है। गंभीर ने कहा कि कभी-कभी हम उन दोनों को प्लेइंग 11 में खिला सकते हैं। लेकिन अभी हार्दिक 10 ओवर नहीं डाल सकते और IPL के बाद से उन्होंने ज़्यादा क्रिकेट नहीं खेला है, इसलिए हम उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट में जल्दी नहीं उतारना

एशियाई खेल 2026 में चोट के कारण बाहर नीरज चोपड़ा ने Team India का बढ़ाया हौसला

एजेंसी

नई दिल्ली ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने 2026 एशियाई खेलों में हिस्सा लेने की तैयारी कर रही भारतीय टीम को शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर चोपड़ा ने लिखा कि 2026 एशियाई खेलों में Team India को मेरी ढेर सारी शुभकामनाएं! मुझे यकीन है कि वे सभी हमें गौरवान्वित करेंगे। एशियाई खेल जापान के नागोया और आइची में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले हैं। भारत कई खेलों में हिस्सा लेने की योजना बना रहा है और खिलाड़ी इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के पिछले संस्करणों में देश के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने का लक्ष्य रखेंगे। टोक्यो 2020 ओलंपिक में पुरुषों की जैवलिन थ्रो में गोल्ड और पेरिस 2024 ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाले चोपड़ा, ट्रेनिंग के दौरान टखने के लिगामेंट में चोट लगने के कारण एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इस चोट की वजह से वह इस सीज़न के बाकी मैचों से भी बाहर हो गए हैं। 19 सितंबर को आइची-नागोया में ओपनिंग सेरेमनी में भारतीय दल की अगुवाई कबड्डी स्टार पवन सहरावत और ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर ने की। पालोमा मिज़ुहो स्टेडियम में हुई इस सेरेमनी के साथ ही 20वें एशियाई खेलों की औपचारिक शुरुआत हुई, जिसमें भारत के 503 एथलीटों का दल 36 खेलों में हिस्सा ले रहा है। पिछले एशियाई खेलों में भारत की गोल्ड मेडल जीतने वाली पुरुष कबड्डी टीम के सदस्य सहरावत और दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट भाकर ने ओपनिंग सेरेमनी में भारतीय झंडा उठाया। भाकर ने पेरिस 2024 में दो ब्रॉन्ज़ मेडल जीते और वह महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल, महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में हिस्सा लेंगी। वह आज़ाद भारत की पहली ऐसी एथलीट हैं जिन्होंने एक ही ओलंपिक में दो मेडल जीते हैं। सेरेमनी से पहले एक वीडियो मैसेज में भाकर ने कहा कि सच कहूँ तो, जब मुझे कल इसके बारे में पता चला, तो मुझे अपने शुरुआती दिनों की यादें ताज़ा हो गईं। और, आप जानते हैं, जब मैंने शुरुआत की थी, तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं अपने खेल में एक दिन इस मुकाम तक पहुँच पाऊँगी। इसलिए, यह वाकई दिल को छू लेने वाला एहसास है। अपने देश के लिए फ़्लैग बियरर (ध्वजवाहक) चुने जाने पर मुझे बहुत गर्व, सम्मान और खुशी महसूस हो रही है। मैं बस भगवान और उन सभी लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहती हूँ जिन्होंने मुझे इतना प्यार और सपोर्ट दिया है। भारत का लक्ष्य 2022 एशियाई खेलों के अपने प्रदर्शन से बेहतर करना होगा, जहाँ देश ने रिकॉर्ड 107 मेडल जीते थे - जिसमें 28 गोल्ड, 38 सिल्वर और 41 ब्रॉन्ज़ मेडल शामिल थे।

Adam Zampa बने 200 ODI विकेट लेने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर, Shan e Warne के क्लब में शामिल

एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम ज़म्पा 19 सितंबर को हरारे में ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ़ दूसरे वनडे मैच के दौरान 200 वनडे इंटरनेशनल (ह्रष्ठढ्ढ) विकेट लेने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर बन गए। उन्होंने इस उपलब्धि में दिवंगत शेन वॉर्न की बराबरी की; उन्होंने नौ ओवर में 62 रन देकर 2 विकेट लिए और इनोसेंट काइया और क्रेग इरविन को आउट किया। ऑस्ट्रेलिया ने 357 रनों के स्कोर का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए सीरीज़ जीत हासिल की। ज़म्पा कुल मिलाकर 200 वनडे विकेट लेने वाले सातवें ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज़ हैं। ग्लेन मैक्ग्रा 249 मैचों में 380 विकेट लेकर ऑस्ट्रेलियाई वनडे विकेट-टेकरों की सूची में सबसे आगे हैं, जबकि शेन वॉर्न 193 वनडे मैचों में 291 विकेट के साथ सबसे सफल ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर हैं और कुल मिलाकर तीसरे स्थान पर हैं। ज़म्पा ने 123 वनडे मैचों में 29.48 की औसत से 201 विकेट लिए हैं, जिसमें बारह बार चार विकेट और एक बार पांच विकेट लेने का कारनामा शामिल है। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर ट्रैविस हेड भी फॉर्म में लौट आए और उन्होंने 112 रन बनाकर अपना आठवां वनडे शतक लगाया। इस पारी के दौरान हेड ने 9,000 इंटरनेशनल रन पूरे किए; उन्होंने 201 मैचों और 243 पारियों में 40.31 की औसत और 87.08 के स्ट्राइक रेट से कुल 9,111 रन बनाए हैं। उनके करियर में 20 शतक और 43 अर्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वोच्च स्कोर 175 रन है। इस मैच में ज़िम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले फ़ील्डिंग करने का फ़ैसला किया। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने 63 गेंदों पर 53 रन बनाए (जिसमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल थे) और ट्रैविस हेड के साथ 130 रनों की साझेदारी की। हेड ने कूपर कोनॉली के साथ भी 60 रनों की साझेदारी की; कोनॉली ने 69 गेंदों पर 78 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल थे। ओलिवर पीक ने 18 गेंदों पर नाबाद 41 रनों की तेज़ पारी खेली, जिसमें दो चौके और तीन छक्के शामिल थे, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट पर 356 रन बनाए। ज़िम्बाब्वे के लिए ब्रैड इवांस सबसे सफल गेंदबाज़ रहे, जिन्होंने 56 रन देकर 3 विकेट लिए।

एशियाई खेल 2026 में 503 भारतीय एथलीट्स को प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियन गेम्स 2026 में हिस्सा ले रहे भारतीय दल को शुभकामनाएं दीं और कहा कि खिलाड़ियों ने ज़बरदस्त लगन और संकल्प दिखाया है। सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि आइची-नागोया में एशियन गेम्स की शुरुआत के साथ ही, भारतीय दल को मेरी शुभकामनाएं। हर खिलाड़ी ने बहुत मेहनत की है और ज़बरदस्त लगन और संकल्प दिखाया है। भारत को उन पर गर्व है। वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें, अच्छा खेलें और शानदार सफलता हासिल करें!

शनिवार को आइची-नागोया में 2026 एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में कबड्डी स्टार पवन सहरावत और ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने भारतीय दल का नेतृत्व किया। पालोमा मिज़ुहो स्टेडियम में हुए समारोह के साथ 20वें एशियाई खेलों की औपचारिक शुरुआत हुई। इन खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व 36 खेलों में 503 खिलाड़ियों का दल कर रहा है। पिछले एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष कबड्डी टीम के सदस्य सहरावत को अब भाकर के साथ उद्घाटन समारोह में तिरंगा थामने का सम्मान मिला है।

एशियाई खेलों में भारतीय ध्वज थामकर भावुक हुईं मनु भाकर ,दिवंगत कोच जसपाल राणा को किया याद

एजेंसी

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने शनिवार को कहा कि एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह के दौरान उन्हें अपने दिवंगत कोच जसपाल राणा की बहुत याद आई। कबड्डी स्टार पवन सहरावत के साथ भारतीय ध्वज थामकर समारोह में हिस्सा लेना मनु के लिए यह मौका और भावुक बन गया। मनु ने यहां उद्घाटन समारोह के बाद कहा, "आज जसपाल सर की बहुत याद आई। उनके साथ नहीं होने से यह दिन वाकई भावुक कर देने वाला था।" प्रसिद्ध निशानेबाज और कोच राणा का 11 जून को 49 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। उन्होंने मनु के करियर में अहम भूमिका निभाई थी और 2024 पेरिस ओलंपिक में उन्हें दो कांस्य पदक दिलाने में मार्गदर्शन किया था। चौबीस वर्षीय निशानेबाज इससे पहले भी बता चुकी हैं कि बहु-खेल प्रतियोगिताओं के उद्घाटन समारोहों को लेकर राणा की सलाह ने उनकी सोच को किस तरह प्रभावित किया था। राणा ने एक बार मनु से कहा था कि वह ऐसे समारोहों में तभी शामिल हो सकती हैं, जब वह ध्वजवाहक हों, वर्ना उन्हें समारोह टीवी पर देखना चाहिए क्योंकि आमतौर पर उद्घाटन समारोह के तुरंत बाद उनकी स्पर्धाएं शुरू हो जाती थीं। मनु अपने तीसरे एशियाई खेलों में हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने 2018 के अपने पहले एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह हिस्सा नहीं लिया था क्योंकि वह

जकार्ता में मुख्य खिलाड़ियों के गांव से दूर पालेमबांग में थीं। बाद में उन्होंने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लिया और राणा की उस सलाह को याद किया जिसमें उन्होंने प्रतियोगिता को प्राथमिकता देने की बात कही थी। राणा की वही सलाह शनिवार को मनु को और भावुक बना गई, जब वह खुद मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में भारत की ध्वजवाहकों में से एक बनकर मैदान में उतरीं। इतिहासकिताबें खोजें स्वतंत्र भारत की ओर से ओलंपिक के एक ही चरण में दो पदक जीतने वाली एकमात्र खिलाड़ी मनु अब निशानेबाजी स्पर्धाओं पर ध्यान केंद्रित करेंगी।

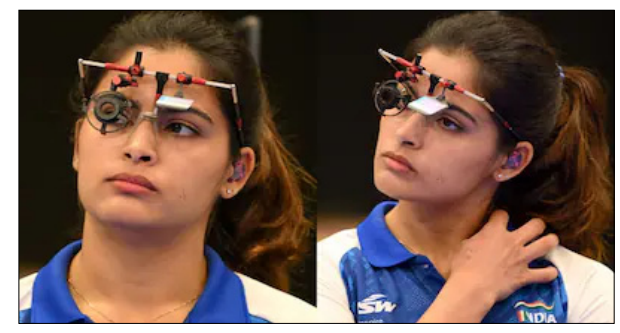

छोटे अनुदान से बड़ी पहचान तक, 150 रुपये से शुरु हुआ डूसू का ऐतिहासिक सफर

एजेंसी

नयी दिल्ली । महज 150 रुपये के अनुदान से शुरू हुआ दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) लगभग आठ दशक बाद देश की छात्र राजनीति के सबसे चर्चित केंद्रों में से एक बन चुका है और इसके गठन का इतिहास उसके लंबे सफ्र की झलक पेश करता है। डूसू चुनाव के लिए मतगणना शनिवार को जारी है। डूसू का सफ्र देश की आजादी से कुछ ही दिन पहले छह अगस्त 1947 से उस समय शुरू हुआ था जब विश्वविद्यालय के कुलपति ने कार्यकारी परिषद को बताया था कि विद्यार्थियों का एक प्रतिनिधि निकाय विश्वविद्यालय छात्र संघ की स्थापना करना चाहता है। परिषद ने इस प्रस्ताव पर सैद्धांतिक रूप से सहमति जताते हुए कहा था कि एक समिति इसके लिए आवश्यक संविधान और प्रक्रिया का मसौदा तैयार करेगी। इसके साथ ही छात्र संघ का औपचारिक रूप से गठन होने के बाद शुरुआती खर्च के लिए 150 रुपये का छोटा-सा अनुदान देने का प्रस्ताव रखा गया। यह प्रस्ताव 15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि से कुछ समय पहले रखा गया था। यहीं से उस संस्थागत यात्रा की शुरुआत हुई जिसने आगे चलकर डूसू को दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकतर महाविद्यालयों और संकायों के विद्यार्थियों का प्रतिनिधि निकाय तथा राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित करने वाली छात्र राजनीति का एक प्रमुख मंच बना दिया। शुरुआती वर्षों में छात्र संघ के कामकाज और वित्तीय स्थिति को लेकर अनिश्चितता बनी रही। विश्वविद्यालय की कार्यकारी समिति ने 27 मार्च, 1953 को छात्र संघ के अनुदान संबंधी एक आवेदन पर विचार किया था। समिति ने कहा था कि उस वर्ष पहले ही 500 रुपये प्राप्त कर चुके छात्र संघ को आत्मनिर्भर बनने का प्रयास करना चाहिए। छात्र संघ पर 14 मार्च, 1954 तक वित्तीय दबाव और स्पष्ट हो गया था। उसकी आय केवल 815 रुपये थी जबकि खर्च 1,995 रुपये हो चुका था। इसी बैठक में कुलपति ने इस बात पर गौर किया कि डूसू के लिए एक संविधान तैयार किया गया है और पहली बार चुनाव भी कराए गए हैं। उन्होंने अगले शैक्षणिक सत्र तक छात्र संघ का संचालन करने के लिए एक कार्यवाहक समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा। साथ ही, अगस्त 1954 तक नए खर्च पर सीमा लगाने और पहले से हो चुके खर्च का भुगतान करने के लिए अधिकतम 1,100 रुपये का अनुदान देने का प्रस्ताव भी रखा गया, बशर्ते छात्र संघ के कोषाध्यक्ष बिलों को मंजूरी दें। शुरुआती दस्तावेजों से पता चलता है कि छात्र संघ को वित्तीय जवाबदेही से लेकर प्रशासनिक निगरानी तक एक संस्थागत स्वरूप देने के प्रयास किए गए। लगभग दो दशक बाद डूसू की संवैधानिक संरचना पर फ्रि से विचार किया गया। कार्यकारी परिषद ने दो अगस्त, 1973 को छात्र संघ के श्मौजूदा संविधान को निरस्त करने और अंतरिम संविधान लागू करनेश् के प्रस्ताव पर विचार किया। अंतरिम संविधान में वित्तीय नियंत्रण के प्रावधान किए गए। शुरुआत में 100 रुपये से अधिक के खर्च के लिए छात्र संघ की कार्यकारी समिति की मंजूरी जरूरी थी। इसमें एक विस्तृत प्रशासनिक ढांचा भी तय किया गया। कुलपति को डूसू का संरक्षक बनाया गया, जिसकी जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना था कि छात्र संघ संविधान के अनुरूप काम करे। छात्र संघ के ढांचे में एक शिक्षक सलाहकार का पद भी था, जिसकी नियुक्ति संरक्षक शिक्षकों में से करता था। कोषाध्यक्ष की नियुक्ति भी संरक्षक द्वारा की जाती थी। संविधान में चार निर्वाचित पदाधिकारियों-अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और सहायक सचिव-का प्रावधान किया गया था। इनका चुनाव डूसू के सदस्य साधारण बहुमत से सीधे करते थे। अध्यक्ष छात्र संघ का मुख्य कार्यकारी पदाधिकारी होता था जबकि उसकी अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष उसके दायित्वों का निर्वहन करता था। सचिव को अध्यक्ष के परामर्श से और संविधान के अनुरूप छात्र संघ से जुड़े सभी मामलों में काम करना होता था। कई दशकों तक डूसू का सदस्यता शुल्क काफी कम रहा। विद्यार्थियों से वर्ष 2012-13 तक सदस्यता शुल्क के रूप में पांच रुपये लिए जाते थे। विश्वविद्यालय के अधिकारियों के अनुसार, 2013-14 में इसे बढ़ाकर 20 रुपये किया गया और बाद में 21 जून 2024 को इसे बढ़ाकर 40 रुपये कर दिया गया। कार्यकारी परिषद के समक्ष पहला प्रस्ताव रखे जाने के करीब आठ दशक बाद डूसू अब देश के सबसे प्रमुख छात्र प्रतिनिधि निकायों में शामिल हो चुका है। इसके चुनावों ने ऐसे कई नेता दिए हैं जिन्होंने आगे चलकर सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। इस साल 18 सितंबर को हुआ चुनाव डूसू के इसी इतिहास की ताजा कड़ी है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, मतगणना शनिवार सुबह आठ बजे नॉर्थ कैंपस स्थित विश्वविद्यालय खेल स्टेडियम के बहुउद्देश्यीय हॉल में शुरू हुई। केंद्रीय पैनल के चार पदों के लिए चुनाव मैदान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबद्ध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), कांग्रेस से संबद्ध भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) और अखिल भारतीय छात्र संगठन (आइसा)- स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफ्आई) का वाम गठबंधन प्रमुख दावेदार हैं। चुनाव प्रचार में विद्यार्थियों की सुरक्षा, आवास और परिसर की सुविधाएं प्रमुख मुद्दे रहे। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला इमारत ढहने की घटना के बाद सुरक्षा का मुद्दा विशेष रूप से चर्चा में रहा। इस इमारत में छात्रों के लिए श्पेइंग गेस्टश् (पीजी) आवास का संचालन किया जाता था। इस हादसे में विद्यार्थियों समेत सात लोगों की मौत हो गई थी। अभाविप ने अध्यक्ष पद के लिए यश डबास, उपाध्यक्ष पद के लिए ईशु मौर्य, सचिव पद के लिए रिया छावड़ी और संयुक्त सचिव पद के लिए लक्ष्य राज सिंह को उम्मीदवार बनाया है। एनएसयूआई ने अध्यक्ष पद के लिए विजय शंकर मीणा, उपाध्यक्ष पद के लिए वीर चतरथ, सचिव पद के लिए नम्रता चौधरी और संयुक्त सचिव पद के लिए गोपाल चौधरी को उम्मीदवार बनाया है। आइसा-एसएफ्आई गठबंधन ने अध्यक्ष पद के लिए अनन्या रतूड़ी, उपाध्यक्ष पद के लिए अक्षत शिखर, सचिव पद के लिए स्टैनजिन डेस्क्योंग और संयुक्त सचिव पद के लिए बी. पारिजात को उम्मीदवार बनाया है। एक छोटे-से अनुदान और कार्यवाहक समिति से शुरू हुआ डूसू का सफ्र आज राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींचने वाले चुनाव तक पहुंच चुका है। यह यात्रा दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्र राजनीति और प्रतिनिधित्व के बदलते स्वरूप को भी दर्शाती है।

भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अजित डोवल का अनुमान, 20 साल में जीडीपी 38,000 अरब डॉलर

रूड़की । राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने शनिवार को कहा कि अगले 20 सालों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वर्तमान 4015 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 38,000 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। डोभाल ने यहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रूड़की के दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि छात्र सौभाग्यशाली हैं कि वे एक परिवर्तनकारी युग में रह रहे हैं जिसमें उनका भविष्य बहुत उज्ज्वल है। एनएसए ने भगवान राम का उदाहरण देते हुए छात्रों से अपने जीवन में साहसी बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ॠषि विश्वामित्र ने राक्षसों के संहार के लिए भगवान राम के साहसी व्यक्तित्व के कारण उन्हें चुना। इसी संदर्भ में डोभाल ने कहा कि बिना मेहनत की सफ्लता नहीं मिलती। एनएसए ने कहा, भारत में बहुत बड़े बदलाव हो रहे हैं और देश एक शानदार भविष्य की ओर बढ़ रहा है। जैसा कि प्रधानमंत्री ने 2047 को अमृत काल कहा है, सचमुच यह एक बेहतरीन अमृत काल है। अभी भारत की जीडीपी 4015 अरब अमेरिकी डॉलर है, जो अगले 20 सालों में 38,000 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगी। उन्होंने छात्रों के साथ अपने कैरियर के शुरुआती दिनों में सिक्किम में तैनाती के दौरान एक कहानी भी साझा की जिसमें उन्होंने एक शेरपा से जीवन में सफ्लता के तीन मंत्र सीखे। डोभाल ने कहा कि पहला मंत्र है इंसान को यह पता होना चाहिए कि वह मानचित्र में कहां खड़ा हैं, दूसरा यह कि जाना कहां है और तीसरा वहां जाने और वहां से आने का रास्ता क्या है।

बिपाशा बसु को प्रोटीन पाउडर में कीड़े मिलने के बाद न्यूट्रिशन ब्रांड ने दी सफाई

एजेंसी

फिल्ममेकर अनुभव सिन्हा और सुधीर मिश्रा एक ऐसी कहानी को पर्दे पर लाने की तैयारी कर रहे हैं, जो महात्मा गांधी के जीवन से जुड़े एक बेहद महत्वपूर्ण और कम चर्चित दौर पर आधारित है। फिल्म में नेशनल अवॉर्ड विनिंग अभिनेता मनोज बाजपेयी महात्मा गांधी की भूमिका निभा रहे हैं। अब इस प्रोजेक्ट में हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री वहीदा रहमान की एंट्री हो गई है। अभिनेत्री फिल्म में गांधीजी की मां पुतलीबाई का किरदार निभाती नजर आएंगी। फिल्म की कहानी महात्मा गांधी के जीवन के उन 21 दिनों पर केंद्रित है, जिन्हें इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय के तौर पर देखा जाता है। ऐसे में पुतलीबाई का किरदार कहानी में भावनात्मक स्तर पर भी खास महत्व रखता है। मेकर्स का मानना है कि वहीदा रहमान जैसी अनुभवी अभिनेत्री की मौजूदगी इस किरदार को और गहराई देगी। फिल्म में गांधी के जीवन, उनके फैसलों और उस दौर की परिस्थितियों को एक अलग नजरिए से पेश करने की कोशिश की जा रही है। मनोज बाजपेयी के साथ सौरभ शुक्ला भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। वहीदा रहमान के फिल्म से जुड़ने पर निर्देशक सुधीर मिश्रा ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, मुझे यह कहते हुए बहुत खुशी हो रही है कि वहीदा जी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं। 'प्यासा', 'साहिब बीबी और गुलाम', 'कागज के फूल' और 'गाइड' जैसी फिल्मों से मेरा बहुत गहरा और निजी जुड़ाव है। मैं उनकी इन फिल्मों को देखते हुए बड़ा हुआ हूं। इन फिल्मों ने मेरे दिल और सोच पर ऐसी जगह बनाई है, जिसे शब्दों में पूरी तरह बता पाना मुश्किल है। मुझे अब भी यकीन नहीं होता कि इन ऐतिहासिक फिल्मों का हिस्सा रह चुकीं वहीदा जी अब मेरे डायरेक्ट किए जा रहे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं। यह मेरे लिए बहुत खास और किसी सपने जैसा है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में वहीदा रहमान का होना उनके लिए बड़े सम्मान की बात है। फिल्म के निर्माता अनुभव सिन्हा ने भी वहीदा रहमान के प्रोजेक्ट से जुड़ने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, वहीदा जी के साथ बैठकर आम तौर पर फिल्मों पर बात करना और खास तौर पर इस फिल्म के बारे में बात करना मेरे लिए बड़ा सम्मान रहा है। मुझे खुशी है कि सुधीर और फिल्म की स्क्रिप्ट ने उन्हें सेट पर वापस लेकर आने में कामयाबी हासिल की है। फिल्म को अनुभव सिन्हा और नरेंद्र हिरावत ए बनारस मीडियावर्क्स के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि एनएच स्टूडियोज इसे प्रेजेंट कर रहा है। सुधीर मिश्रा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म के जरिए मेकर्स महात्मा गांधी के जीवन के एक ऐसे दौर को सामने लाने की कोशिश कर रहे हैं।

दर्शकों ने ऐसा सिनेमाई जादू पहले कभी नहीं देखा होगा!

बॉलीवुड की दिग्गज और वरिष्ठ अभिनेत्री सोनी राजदान (Soni Razdan) ने नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही बहुप्रतीक्षित और भव्य फिल्म रामायण (Ramayana) को लेकर एक बड़ा और उत्साहजनक बयान दिया है। सोनी राजदान का मानना है कि उनके दामाद और सुपरस्टार रणबीर कपूर (Ranbir Kapoor), दक्षिण भारतीय अभिनेत्री साईं पल्लवी और केजीएफ फेम यश के अभिनय से सजी यह फिल्म भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक ऐसा अनूठा अनुभव साबित होगी, जैसा दर्शकों ने बड़े पर्दे पर पहले कभी नहीं देखा है। नमित मल्होत्रा की 'डीएनईजी' और 'प्राइम फोकस स्टूडियोज' द्वारा निर्मित इस फिल्म को वैश्विक स्तर पर बनाया जा रहा है। इसमें संगीत देने के लिए ऑस्कर पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता हांस जिमर और ग्रैमी पुरस्कार विजेता संगीतकार जेम्स न्यूटन हॉवर्ड को साथ लाया गया है।

स्क्रीन से पहाड़ों तक पहुंचा 'मुसाफिर कैफे'

एजेंसी

हिमाचल और उत्तराखंड में विक्रांत मैसी खोलेंगे दो नए कैफे

अभिनेता विक्रांत मैसी सिर्फ अपनी फिल्मों और सीरीज के जरिए ही नहीं, बल्कि अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स के साथ भी नई पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उनकी चर्चित सीरीज से जुड़ा 'मुसाफिर कैफे' अब स्क्रीन तक सीमित नहीं रहेगा। इसे वास्तविक जगह के रूप में पहाड़ों के बीच बसाने की तैयारी चल रही है। विक्रांत मैसी की योजना हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में दो अलग-अलग 'मुसाफिर कैफे' शुरू करने की है। दोनों लोकेशंस पर फिलहाल निर्माण का काम चल रहा है। खास बात यह है कि इन जगहों का डिजाइन सीरीज में दिखाई गई 'मुसाफिर कैफे' की दुनिया से प्रेरित रखा जा रहा है। मकसद सिर्फ एक कैफे तैयार करना नहीं, बल्कि शो में दिखाई गई उसकी गर्मजोशी और माहौल को असल जगह पर दोबारा महसूस कराना है। पहाड़ी इलाकों की प्राकृतिक खूबसूरती को ध्यान में रखते हुए कैफे के डिजाइन को आसपास के वातावरण के साथ जोड़ा जा रहा है। आने वाले कैफेज में से एक की एक्सक्लूसिव तस्वीर सामने आई है। इसमें निर्माणाधीन कैफे को पहाड़ी लैंडस्केप के बीच आकार लेते हुए देखा जा सकता है। कैफे के लिए स्टोन और वुड आर्किटेक्चर का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे इसे पहाड़ी वातावरण के अनुरूप लुक देने की कोशिश की जा रही है। डिजाइन में सीरीज के कैफे की पहचान और उसके विजुअल एस्थेटिक को भी बरकरार रखने पर ध्यान दिया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट का एक खास हिस्सा आर्टिस्ट रेजिडेंसी भी है। जानकारी के मुताबिक, कैफे से जुड़े स्पेस में करीब 20 कमरे आर्टिस्ट रेजिडेंसी के लिए बनाए जाएंगे। इसका उद्देश्य 'मुसाफिर कैफे' को सिर्फ खाने-पीने की जगह के तौर पर नहीं, बल्कि कलाकारों के ठहरने और रचनात्मक काम करने वाले स्पेस के रूप में भी विकसित करना है। इस तरह सीरीज में दिखाई गई दुनिया को एक वास्तविक और ज्यादा विस्तृत रूप देने की कोशिश की जा रही है।

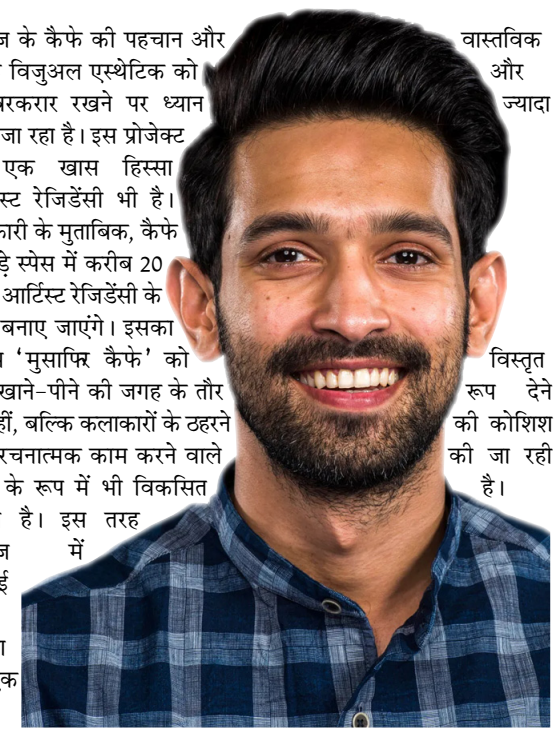

बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए आगे आए वीर पहाड़िया, बिहार में हुसैन मंसूरी के साथ बांटी राहत सामग्री

एजेंसी

अभिनेता वीर पहाड़िया हाल ही में बिहार के बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत अभियान का हिस्सा बने। उन्होंने मुंबई के समाजसेवी और परोपकारी हुसैन मंसूरी के साथ पटना में बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर जरूरी सामान वितरित किया। इस पहल में वीर ने आर्थिक सहयोग देने के साथ खुद भी राहत कार्य में हिस्सा लिया। राहत अभियान के दौरान वीर पहाड़िया ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनकी परेशानियों को करीब से समझने की कोशिश की। इस दौरान उन्होंने लोगों को भोजन, रोजमर्रा की जरूरत का सामान, बच्चों के लिए पढ़ाई की सामग्री और परिवारों के लिए बेड समेत कई जरूरी चीजें बांटीं। अभियान से सामने आई तस्वीरों और वीडियो में वीर पहाड़िया बाढ़ प्रभावित लोगों से बातचीत करते और उनके बीच राहत सामग्री वितरित करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने प्रभावित परिवारों के साथ समय बिताया और उनकी जरूरतों के बारे में भी जानकारी ली। हुसैन मंसूरी लंबे समय से जरूरतमंद लोगों और प्रभावित समुदायों की मदद के लिए जमीनी स्तर पर काम करते रहे हैं। इससे पहले वह असम में भी बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत कार्यों में शामिल हो चुके हैं। बिहार में चलाए गए इस अभियान में वीर पहाड़िया भी उनके साथ जुड़े। बिहार के कई हिस्सों में बाढ़ के चलते बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं। ऐसे में राहत अभियान के जरिए प्रभावित परिवारों तक भोजन और रोजमर्रा की जरूरत का सामान पहुंचाने की कोशिश की गई।

'प्यार का पंचनामा 3' है 'पहला प्यार दूसरी बार'

➢ नए कलाकारों से बस्सी ने पूछा मजेदार सवाल

नई स्टारकास्ट और यंग एनर्जी से भरपूर फिल्म 'पहला प्यार दूसरी बार' इन दिनों चर्चा में है। फिल्म के ट्रेलर के आने से पहले मेकर्स ने दर्शकों के लिए एक खास वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में फिल्म से डेब्यू कर रहे कलाकारों की मुलाकात अनुभव बस्सी, गुरलीन पन्नू और देवेश दीक्षित से होती है। इसके बाद शुरू होता है सवाल-जवाब, मजाक और एक-दूसरे की टांग खिंचाई का सिलसिला। वीडियो में स्पर्श वालिया, अलीशा चोपड़ा, कुणाल वैद, साक्षी वैद्य, तुषार छिब्बर और सरगुन कौर लूथरा नजर आ रहे हैं। इन सभी कलाकारों के लिए यह फिल्म खास है, क्योंकि वे इसके जरिए बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं। अनुभव बस्सी, गुरलीन पन्नू और देवेश दीक्षित ने इन नए चेहरों से कई मजेदार और चुटीले सवाल किए। बातचीत के दौरान उनकी खिंचाई भी हुई और फिल्म के नाम को लेकर भी मजाक देखने को मिला। सवालों का अंदाज ऐसा था कि पूरा वीडियो एक अनौपचारिक और दोस्ताना बातचीत जैसा नजर आता है। वीडियो में फिल्म को लेकर एक मजेदार सवाल भी सामने आता है। नए कलाकारों से बातचीत के दौरान इस बात पर चुटकी ली जाती है कि कहीं 'पहला प्यार दूसरी बार' को 'प्यार का पंचनामा 3' तो नहीं समझा जा रहा। अनुभव बस्सी और बाकी कलाकारों का अंदाज इस बातचीत को और मजेदार बना देता है। नए कलाकार भी सवालों का जवाब देते और इस मजाकिया माहौल का हिस्सा बनते नजर आते हैं। मेकर्स का यह वीडियो फिल्म के ट्रेलर से पहले दर्शकों को इसकी कास्ट और माहौल से परिचित कराने की कोशिश है। छह नए कलाकारों की बातचीत में दिखाई गई मस्ती और उनकी एनर्जी फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ाती है। अब दर्शकों की नजर फिल्म के ट्रेलर पर है, जो 21 सितंबर 2026 को रिलीज किया जाएगा।

बंद है एक ही नाक? सांस लेने में होती है परेशानी तो जानें इसके पीछे की वजह

क्या आपको भी अक्सर ऐसा लगता है कि आपकी एक नाक बंद है और दूसरे नथुने से ही आसानी से सांस आ रही है? कई लोगों को खासकर रात में करवट लेकर सोते समय यह परेशानी ज्यादा महसूस होती है। कुछ देर बाद नथुना अपने आप खुल जाता है और दूसरी तरफहल्की रुकावट महसूस होने लगती है। हर बार ऐसा होना किसी बीमारी का संकेत नहीं होता। इसके पीछे शरीर की एक सामान्य प्रक्रिया नेजल साइकिल हो सकती है। इसमें दोनों नथुनों से हवा का बहाव समय-समय पर थोड़ा कम या ज्यादा होता रहता है। हालांकि, अगर हमेशा एक ही तरफकी नाक बंद रहती है या सांस लेने में लगातार परेशानी होती है, तो इसके पीछे कोई दूसरी वजह भी हो सकती है।

क्या है नेजल साइकिल

नाक के अंदर मौजूद टिश्यू में रक्त का प्रवाह लगातार थोड़ा बदलता रहता है। इसके कारण एक समय पर एक नथुने के अंदर की परत में हल्की सूजन बढ़ सकती है। इससे उस तरफहवा का रास्ता कुछ संकरा हो जाता है और दूसरे नथुने से हवा अपेक्षाकृत आसानी से गुजरती है। कुछ समय बाद यह स्थिति दूसरी तरफभी हो सकती है। यानी दायां नथुना कुछ देर के लिए ज्यादा बंद महसूस हो सकता है और बाद में बायां नथुना। यह शरीर की सामान्य प्रक्रिया है और ज्यादातर स्वस्थ लोगों में होती है। कई बार व्यक्ति को इसका पता भी नहीं चलता, क्योंकि दोनों नथुनों से मिलने वाला कुल एयरफ्लो सामान्य बना रहता है। एक अध्ययन में 50 स्वस्थ लोगों में कई घंटों तक नाक से हवा के बहाव को देखा गया। शोधकर्ताओं ने करीब 72 प्रतिशत प्रतिभागियों में स्पष्ट नेजल साइकिल पाया।

करवट लेकर सोने पर क्यों ज्यादा महसूस होती है परेशानी?

अगर आप एक तरफकरवट लेकर सोते हैं तो नीचे वाली तरफके नथुने में बंद होने का एहसास ज्यादा हो सकता है। शरीर की स्थिति बदलने से नाक के अंदर रक्त प्रवाह और टिश्यू की सूजन में भी बदलाव हो सकता है। इसी वजह से कई लोगों को रात में ऐसा लगता है कि सोते समय एक नथुना बंद हो गया है। करवट बदलने के बाद कुछ देर में दूसरी तरफ रुकावट महसूस हो सकती है।

एलर्जी और सर्दी-जुकाम भी हो सकते हैं कारण

अगर नाक बार-बार बंद हो रही है तो इसकी वजह सिर्फ नेजल साइकिल नहीं होती। एलर्जी, सर्दी-जुकाम और नाक के अंदर सूजन भी सांस लेने में परेशानी पैदा कर सकते हैं। एलर्जी होने पर नाक की अंदरूनी परत में सूजन आ सकती है और नाक से पानी आने, छींक आने या खुजली जैसे लक्षण भी हो सकते हैं। वहीं वायरल सर्दी-जुकाम में नाक की अंदरूनी परत सूजने के कारण दोनों या कभी-कभी एक नथुना ज्यादा बंद महसूस हो सकता है।

नाक की हड्डी टेढ़ी होना भी हो सकता है कारण

कुछ लोगों में नाक के बीच की दीवार यानी नेजल सेप्टम एक तरफमुड़ी हुई होती है। इसे डेविएटेड सेप्टम कहा जाता है। अगर सेप्टम ज्यादा टेढ़ा हो तो नाक के एक हिस्से में हवा के गुजरने की जगह कम हो सकती है। ऐसे लोगों को एक ही नथुने से सांस लेने में बार-बार परेशानी हो सकती है। इस स्थिति में आमतौर पर करवट बदलने से समस्या पूरी तरह खत्म नहीं होती और एक तरफकी नाक लंबे समय तक ज्यादा बंद महसूस हो सकती है।

नाक में सूजन या पॉलीप भी हो सकता है कारण

नाक के अंदर लगातार सूजन रहने या नेजल पॉलीप जैसी समस्या होने पर भी हवा का रास्ता संकरा हो सकता है। इससे नाक बंद रहने, मुंह से सांस लेने या सूंघने की क्षमता कम होने जैसी परेशानियां हो सकती हैं। अगर नाक बंद रहने की समस्या लंबे समय से है और सामान्य सर्दी-जुकाम ठीक होने के बाद भी बनी हुई है, तो इसकी वजह जानने के लिए डॉक्टर से जांच कराना जरूरी हो सकता है।

कब डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए

अगर कभी-कभार एक नथुना बंद होता है और कुछ समय बाद अपने आप खुल जाता है, तो आमतौर पर घबराने की जरूरत नहीं होती। लेकिन अगर हमेशा एक ही नथुना बंद रहता है, सांस लेने में लगातार परेशानी होती है या समस्या धीरे-धीरे बढ़ रही है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

खासकर नाक से खून आना, सूंघने की क्षमता में लगातार कमी, चेहरे में दर्द या दबाव, बार-बार साइनस की परेशानी या लंबे समय तक नाक बंद रहने जैसे लक्षण हों तो ईएनटी विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है। कुल मिलाकर, कभी दायां तो कभी बायां नथुना बंद होना शरीर की सामान्य नेजल साइकिल का हिस्सा हो सकता है। लेकिन अगर रुकावट लगातार एक ही तरफबनी रहती है, तो एलर्जी, सूजन, सेप्टम के टेढ़ेपन या नाक से जुड़ी किसी दूसरी समस्या की जांच जरूरी हो सकती है।

अनुभव सिन्हा-सुधीर मिश्रा की फिल्म में वहीदा रहमान की एंट्री

निभाएंगी महात्मा गांधी की मां का किरदार

एजेंसी

फिल्ममेकर अनुभव सिन्हा और सुधीर मिश्रा एक ऐसी कहानी को पर्दे पर लाने की तैयारी कर रहे हैं, जो महात्मा गांधी के जीवन से जुड़े एक बेहद महत्वपूर्ण और कम चर्चित दौर पर आधारित है। फिल्म में नेशनल अवॉर्ड विनिंग अभिनेता मनोज बाजपेयी महात्मा गांधी की भूमिका निभा रहे हैं। अब इस प्रोजेक्ट में हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री वहीदा रहमान की एंट्री हो गई है। अभिनेत्री फिल्म में गांधीजी की मां पुतलीबाई का किरदार निभाती नजर आएंगी। फिल्म की कहानी महात्मा गांधी के जीवन के उन 21 दिनों पर केंद्रित है, जिन्हें इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय के तौर पर देखा जाता है। ऐसे में पुतलीबाई का किरदार कहानी में भावनात्मक स्तर पर भी खास महत्व रखता है। मेकर्स का मानना है कि वहीदा रहमान जैसी अनुभवी अभिनेत्री की मौजूदगी इस किरदार को और गहराई देगी। फिल्म में गांधी के जीवन, उनके फैसलों और उस दौर की परिस्थितियों को एक अलग नजरिए से पेश करने की कोशिश की जा रही है। मनोज बाजपेयी के साथ सौरभ शुक्ला भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। वहीदा रहमान के फिल्म से जुड़ने पर निर्देशक सुधीर मिश्रा ने अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, मुझे यह कहते हुए बहुत खुशी हो रही है कि वहीदा जी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं। 'प्यासा', 'साहिब बीबी और गुलाम', 'कागज के फूल' और 'गाइड' जैसी फिल्मों से मेरा बहुत गहरा और निजी जुड़ाव है। मैं उनकी इन फिल्मों को देखते हुए बड़ा हुआ हूं। इन फिल्मों ने मेरे दिल और सोच पर ऐसी जगह बनाई है, जिसे शब्दों में पूरी तरह बता पाना मुश्किल है। मुझे अब भी यकीन नहीं होता कि इन ऐतिहासिक फिल्मों का हिस्सा रह चुकीं वहीदा जी अब मेरे डायरेक्ट किए जा रहे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं। यह मेरे लिए बहुत खास और किसी सपने जैसा है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में वहीदा रहमान का होना उनके लिए बड़े सम्मान की बात है। फिल्म के निर्माता अनुभव सिन्हा ने भी वहीदा रहमान के प्रोजेक्ट से जुड़ने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, वहीदा जी के साथ बैठकर आम तौर पर फिल्मों पर बात करना और खास तौर पर इस फिल्म के बारे में बात करना मेरे लिए बड़ा सम्मान रहा है। मुझे खुशी है कि सुधीर और फिल्म की स्क्रिप्ट ने उन्हें सेट पर वापस लेकर आने में कामयाबी हासिल की है। फिल्म को अनुभव सिन्हा और नरेंद्र हिरावत ए बनारस मीडियावर्क्स के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि एनएच स्टूडियोज इसे प्रेजेंट कर रहा है। सुधीर मिश्रा के निर्देशन में बन रही इस फिल्म के जरिए मेकर्स महात्मा गांधी के जीवन के एक ऐसे दौर को सामने लाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसके बारे में आमतौर पर कम चर्चा होती है। मनोज बाजपेयी, वहीदा रहमान और सौरभ शुक्ला जैसे कलाकारों के साथ यह प्रोजेक्ट इतिहास और व्यक्तिगत भावनाओं के बीच एक कड़ी बनाने की कोशिश करेगा। फिल्म की कहानी को भारत की आजादी के बड़े इतिहास से जोड़ते हुए गांधी के जीवन और उनके फैसलों को करीब से देखने का नजरिया पेश किया जाएगा। अब वहीदा रहमान के जुड़ने के बाद इस फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी और बढ़ गई है।